CNEWS सिटी चीफ

# सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-80
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार, 25 जून 2024

**आज का विचार**

कुशल व्यवहार आपके जीवन का आईना है...
इसका आप जितना अधिक इस्तेमाल करेंगे आपकी चमक उतनी ही बढ़ जायेगी...

## विक्रम विश्वविद्यालय में इस्लाम का प्रचार

### छात्रों ने कम अंक और व्हाट्सएप ग्रुप के मैसेज की कही बात, चलेगी जांच

उज्जैन के विक्रम विश्वविद्यालय में हिन्दू छात्रों को कम अंक और विशेष समुदाय के छात्रों को ज्यादा अंक मिलने की शिकायतों का मामला सामने आया है। आरोपी के द्वारा विश्वविद्यालय के व्हाट्सएप ग्रुप पर लगातार इस्लाम का प्रचार करने के संदेश भेजने का भी आरोप है। मामला गंभीर होने के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति ने इस पर जांच के आदेश दिए हैं। **प्रोफेसर अनीस शेख पर आरोप** जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अनीस शेख पर यहां के पढ़ने वाले छात्रों की ओर से आरोप लगाया गया है कि वह छात्रों को कम अंक देते हुए इस्लाम का प्रचार करते हैं। अनीस शेख पर आरोप है कि वह लंबे समय से ऐसा कर रहे हैं, जिसके बाद अब छात्रों ने एकजुट होकर उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने गंभीरता से लिया इस मामले को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों ने भी गंभीरता से लिया है। जानकारी सामने आने के बाद एबीवीपी के सदस्यों ने विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों के समर्थन में आरोपी प्रोफेसर के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए कार्रवाई की मांग की है। विश्वविद्यालय के कुलपति के संज्ञान में मामला आने के बाद इस पर जांच के निर्देश दे दिए गए हैं। **2 हफ्तों बाद कुलपति को रिपोर्ट** जांच करने वाली टीम इस मामले में करीब 2 हफ्तों के बाद अपनी रिपोर्ट विश्वविद्यालय के कुलपति को सौंपेगी। कुलपति अखिलेश पांडे की ओर से कहा गया है कि इस घटना को लेकर एक कमेटी बनाई गई है। इस मौके पर आरोपी प्रोफेसर को विश्वविद्यालय नहीं आने के निर्देश दिए गए हैं। अनीस शेख पर छात्रों के द्वारा आरोप लगाया गया है कि कम अंक देते हुए और इस्लाम का प्रचार करते हुए सभी को मानसिक रूप से परेशान कर रहा है।

**आपातकाल की 50वीं वर्षगांठः पीएम मोदी बोले**

## यह काला दिन याद दिलाता है कि कांग्रेस ने कैसे संविधान को कुचला

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपातकाल के काले दिन हमें याद दिलाते हैं कि कैसे कांग्रेस पार्टी ने भारत के संविधान और बुनियादी आजादी को कुचला।

**आपातकाल के काले दिन को याद रखेगा देश** प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि आज उन सभी महान पुरुषों और महिलाओं को श्रद्धांजलि देने का दिन है जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया। आपातकाल के काले दिन हमें याद दिलाते हैं कि कैसे कांग्रेस पार्टी ने बुनियादी आजादी को नष्ट किया और भारत के संविधान को रौंद दिया, जिसका हर भारतीय बहुत सम्मान करता है।

**कांग्रेस ने आपातकाल में देश को जेल बना दिया** उन्होंने आगे कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सत्ता में बने रहने के लिए हर लोकतांत्रिक सिद्धांत की अवहेलना की और देश को जेल बना दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से असहमत होने वाले हर एकव्यक्ति को प्रताड़ित और परेशान किया गया। सबसे कमजोर वर्गों को निशाना बनाने के लिए समाज को पीछे धकेलने वाली नीतियां लागू की गईं।

पीएम मोदी ने कहा कि आपातकाल लगाने वालों को हमारे संविधान के प्रति अपने प्रेम का दावा करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, ये वही लोग हैं जिन्होंने अनगिनत मौकों पर अनुच्छेद 356 लगाया, प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म करने वाला विधेयक पारित किया और संविधान के हर पहलू का उल्लंघन किया।

उन्होंने आगे कहा कि भारत की जनता ने कांग्रेस को बार-बार नकारा है। जिस मानसिकता के कारण आपातकाल लगाया गया, वह उसी पार्टी में बहुत ज्यादा जीवित है जिसने इसे लगाया। वे अपने दिखावे के ज़रिए संविधान के प्रति अपने तिरस्कार को छिपाते हैं, लेकिन भारत की जनता ने उनकी हरकतों को समझ लिया है और इसीलिए उन्होंने उन्हें बार-बार नकारा है।

**भाजपा नेताओं की प्रतिक्रिया** भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने भी अपने विचार साझा किए। नड्डा ने कहा, 25 जून, 1975 - यह वह दिन है जब कांग्रेस पार्टी के राजनीतिक रूप से प्रेरित आपातकाल लगाने के फैसले ने हमारे लोकतंत्र के स्तंभों को हिला दिया और डॉ. अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान को रौंदने की कोशिश की। राजनाथ सिंह ने कहा, अगर आज भी इस देश में लोकतंत्र जिंदा है, तो इसका श्रेय उन लोगों को जाता है, जिन्होंने लोकतंत्र को बहाल करने के लिए संघर्ष किया, जेल गए और इतनी शारीरिक और मानसिक यातनाएं झेलीं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी कहा, आपातकाल की घोषणा की वर्षगांठ पर, भारतीय लोकतंत्र के लिए काले दौर और उस चुनौती का विरोध करने वालों द्वारा दिखाए गए साहस को याद करें।

**कांग्रेस की प्रतिक्रिया** कांग्रेस पार्टी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि आपातकाल के दौर से पार्टी ने सीखा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

## मध्यप्रदेश का मौसमः भोपाल, इंदौर, जबलपुर सहित 43 जिलों में आंधी-बारिश और गरज-चमक का अलर्ट

मध्यप्रदेश में 3 सिस्टम एक्टिव हैं। इस वजह से पूरे एमपी में आंधी, बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी हुई है। आज भोपाल, इंदौर समेत 43 जिलों में आंधी बारिश और गरज-चमक का अलर्ट है। ग्वालियर, भिंड, दतिया सहित 12 जिलों में मौसम साफ रहेगा। इधर सोमवार को नर्मदापुरम-रतलाम में 1 इंच से ज्यादा बारिश हुई। भोपाल, छिंदवाड़ा, सागर, ग्वालियर समेत कई जिलों में पानी गिरा।

**जानें क्या कह रहे मौसम वैज्ञानिक** मौसम वैज्ञानिक का कहना है कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की वजह से एमपी में बारिश की गतिविधियां हो रही हैं। 25-26 जून को बंगाल की खाड़ी में एक और सिस्टम एक्टिव हो रहा है। आने वाले दिनों में तेज बारिश जारी रहेगी। पिछले 24 घंटे के दौरान मानसून स्थिर रहा, जिसके मंगलवार से आगे बढ़ने की उम्मीद है।

**आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट** मौसम विभाग ने भोपाल, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, जबलपुर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, मुरैना, श्योपुरकलां, शिवपुरी, गुना, छतरपुर, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, कटनी, उमरिया, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर, निवाड़ी, टीकमगढ़, शहडोल, अनूपपुर, डिंडोरी, मंडला, बालाघाट और सिवनी में आंधी, बारिश और गरज-चमक का यलो अलर्ट जारी किया है।

**कल इन जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट** ग्वालियर, भिंड, दतिया, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर, नर्मदापुरम और हरदा में मौसम साफ रहेगा। 26 जून को ग्वालियर, भोपाल, श्योपुरकलां, मुरैना, भिंड, शिवपुरी, दतिया, गुना, अशोकनगर, निवाड़ी और टीकमगढ़ आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इंदौर, जबलपुर, उज्जैन समेत प्रदेश के अन्य जिलों में आंधी, गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। इस दौरान कहीं-कहीं बारिश भी हो सकती है।

### दिखी देश की भाषायी विविधता, सांसदों ने अलग-अलग भाषाओं में ली शपथ

**नई दिल्ली।** 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में जब नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली तो भारत की भाषायी विविधता की झलक देखने को मिली। ज्यादातर सदस्यों ने हिंदी में शपथ ली तो कई सदस्यों ने असमिया, मैथिली, तेलुगू, संस्कृत, पंजाबी और अन्य भाषाओं में शपथ ली। सबसे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सदस्य के तौर पर हिन्दी में शपथ ली। पीएम मोदी के अलावा कैबिनेट मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अन्नपूर्णा देवी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवराज सिंह चौहान और मनोहर लाल खट्टर ने हिंदी में शपथ ली। तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के सदस्य राममोहन नायडू और भाजपा सांसद जी किशन रेड्डी ने तेलुगू भाषा में, जनता दल सेक्यूलर नेता एच डी कुमारस्वामी और प्रह्लाद जोशी ने कन्नड में, जुएल ओरांव ने उड़िया में, सी आर पाटिल ने गुजराती में और सवार्नद सोनोवाल ने असमिया भाषा में शपथ ग्रहण की। महाराष्ट्र से लोकसभा के सदस्य निर्वाचित प्रतापराव जाधव और रक्षा खडसे तथा मुरलीधर मोहोल ने मराठी भाषा में शपथ ली। कर्नाटक से लोकसभा की सदस्य निर्वाचित हुईं शोभा करंदलाजे और वी सोमन्ना ने कन्नड़ में शपथ ग्रहण की। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत सुषमा स्वराज की पुत्री और नई दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा की सदस्य बांसुरी स्वराज ने संस्कृत भाषा में शपथ ली।

**अब शिक्षक भर्ती घोटाला**

## मप्र में फर्जी सर्टिफिकेट से 157 लोग बन गए टीचर

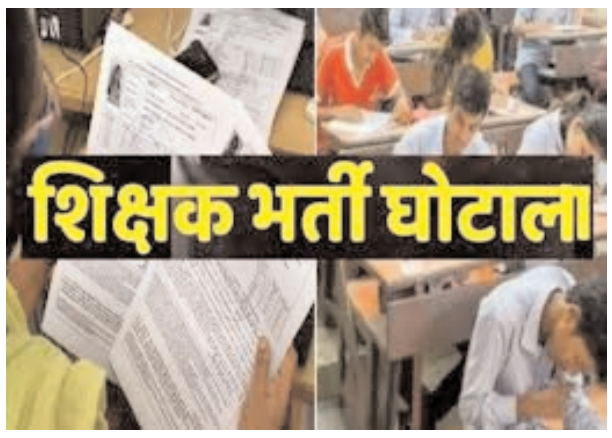


**भिंड।** मध्यप्रदेश के भिंड जिले में दिव्यांग कोटे से शिक्षकों की भर्ती मामले में फजीर्वाड़ा सामने आया है। फर्जी मेडिकल प्रमाणपत्रों के आधार पर नौकरी पाने से जुड़े इस मामले में शिक्षकों की बर्खास्तगी के लिए विभाग ने रिपोर्ट भेजी है। सूत्रों के अनुसार दो साल पहले जिले के 157 लोगों ने शिक्षक की नौकरी फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर हासिल कर ली। अब तीन सदस्यीय कमेटी की जांच में शिक्षकों के मेडिकल सर्टिफिकेट फर्जी पाए गए हैं।

कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिसमें डॉक्टर ने उस बीमारी का सर्टिफिकेट जारी कर दिया, जिसका वह विशेषज्ञ ही नहीं है। वहीं कुछ प्रमाणपत्र मेडिकल बोर्ड के बजाए एकल डॉक्टर से जारी किए गए। नियम के मुताबिक किसी भी भर्ती के सरकारी डॉक्टरों का मेडिकल बोर्ड ही सर्टिफिकेट जारी कर सकता है। साल 2022 में भर्ती हुए इन शिक्षकों की बर्खास्तगी के लिए विभाग ने जांच रिपोर्ट लोक शिक्षण संचालनालय को भेज दी है।

यह भी कहा जा रहा है कि ये मामला डेढ़ साल पहले ही पकड़ में आ गया था, लेकिन शिक्षकों को बचाने के लिए अधिकारियों ने डेढ़ साल तक जांच दबाए रखी, जबकि ऐसे ही मामले में मुरैना, ग्वालियर, छतरपुर और टीकमगढ़ समेत कई जिलों में 205 शिक्षकों को बर्खास्त किया जा चुका है।

कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने सोमवार को बताया कि विधानसभा चुनाव के समय उनकी नियुक्ति भिंड में हुई। जैसे ही उन्हें मामले की जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत जांच कमेटी बनाई। जांच के बाद कमेटी ने रिपोर्ट भेज दी है। आगे का फैसला शिक्षण संचालनालय के स्तर पर होगा।संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि ऐसे लगभग एक दर्जन डॉक्टरों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी, जिन्होंने बिना जांच के ये दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किए थे।

## भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को बनाया गया राज्यसभा में सदन का नेता

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को राज्यसभा में सदन का नेता बनाया गया है। वे राज्यसभा में पीयूष गोयल की जगह लेंगे। नड्डा के पास केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और उर्वरक व रसायन मंत्रालय का जिम्मा भी है। राज्यसभा की वेबसाइट पर भी नड्डा का नाम बतौर सदन का नेता अपडेट किया गया है। भाजपा अध्यक्ष के रूप में नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2024 में खत्म हो गया था। उन्हें आम चुनाव के चलते छह महने का विस्तार दिया गया था। अब उनका कार्यकाल जून में समाप्त हो रहा है। नड्डा ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद यानी एबीवीपी से अपने सियासी सफर की शुरुआत की थी। वे1991 में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के अध्यक्ष बने। उन्हें साल 2012 में राज्यसभा के लिए चुना गया। इसके बाद 2014 में अमित शाह के पार्टी अध्यक्ष बनने पर उन्हें भाजपा संसदीय बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया। नड्डा ने मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में भी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का जिम्मा संभाला था। उसके बाद 2019 में उन्हें भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष पद का जिम्मा दिया गया। फिर 2020 में अमित शाह के केंद्रीय गृह मंत्री बनने पर उन्हें पार्टी का पूर्ण अध्यक्ष बना दिया गया। मोदी 3.0 सरकार में उन्हें दोबारा स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ-साथ

### बीजेपी अध्यक्ष पद पर किसकी होगी ताजपोशी?

चर्चा है कि नड्डा को जल्दी ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से मुक्त किया जा सकता है और उनके उत्तराधिकारी की पार्टी ने तलाश तेज कर दी है। अगले कुछ महीनों में ही भाजपा नए अध्यक्ष का ऐलान कर सकती है। भाजपा में आमतौर पर एक व्यक्ति, एक पद की नीति रही है। ऐसे में कयास तेज हैं कि जेपी नड्डा की जगह अब भाजपा किसी और नेता को ही पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपेगी। उनके विकल्प के तौर पर विनोद तावड़े, सुनील बंसल और अनुराग ठाकुर जैसे नेताओं के नाम चर्चा में हैं। फिलहाल हरियाणा, महाराष्ट्र समेत 5 राज्यों में अगले कुछ महीनों ही चुनाव होने हैं। ऐसे में यह भी चर्चा है कि भाजपा की ओर से कुछ दिनों के लिए जेपी नड्डा और सेवा विस्तार मिल सकता है। उस अवधि में उनको कामकाज में मदद करने के लिए एक कार्यकारी अध्यक्ष दिया जा सकता है।

## राम मंदिर की छत से टपक रहा पानी, मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास का दावा

*अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर की छत से बारिश का पानी टपकने लगा है। यह दावा है यहां के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास का। उनका कहना है कि जहां रामलला विराजमान हैं वहां पहली बरसात में ही पानी चूने लगा। उन्होंने कहा कि अंदर भी पानी भर गया था। मुख्य पुजारी का कहना है कि जो निर्माण हुआ है उसमें देखना चाहिए कि कहां कमी रह गई, जिसकी वजह से पानी टपक रहा है। सत्येंद्र दास ने कहा कि मंदिर के अंदर भी पानी भर गया है। पानी निकलने का कोई जगह नहीं है और पानी टपकता भी है। उन्होंने कहा कि इस समस्या का समाधान पहले होना चाहिए। आज-कल में ही इस समस्या के समाधान को सुनिश्चित करने की जरूरत है। अगर बरसात शुरू हो जाएगी तो वहां पूजा अर्चना भी मुश्किल हो जाएगी।*

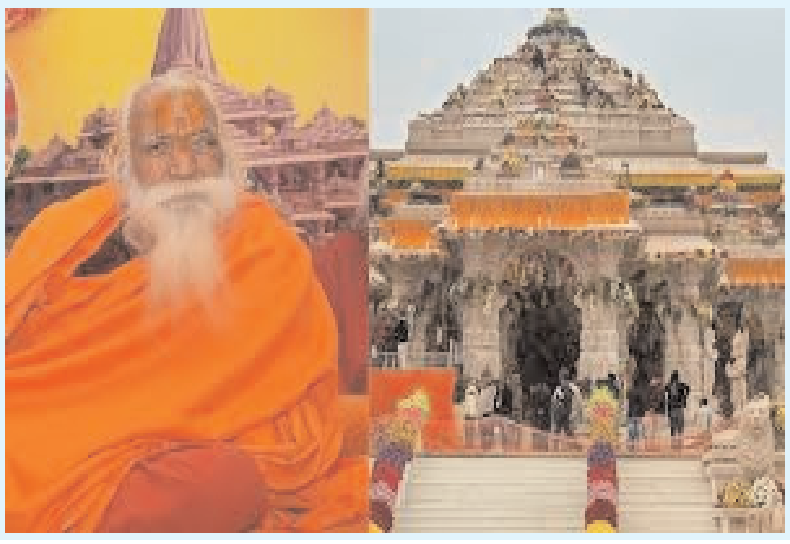

### मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने यह कहा

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने अपने बयान में कथित जल रिसाव पर कहा कि मैं अयोध्या में हूं। मैंने पहली मंजिल से बारिश के पानी को गिरते देखा है। यह स्वभाविक है क्योंकि गुरु मंडप दूसरी मंजिल के रूप में आकाश के संपर्क में है और शिखर के पूरा होने से यह बंद हो जाएगा। मैंने नाली से कुछ रिसाव भी देखा क्योंकि पहली मंजिल पर यह काम प्रगति पर है। काम पूरा होने पर, नाली बंद कर दी जाएगी।

### डिजाइन या निर्माण समस्या नहीं

नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि गर्भगृह में कोई जल निकासी नहीं है क्योंकि सभी मंडपों में पानी की निकासी के लिए ढलान को मापा गया है और गर्भगृह में पानी को मैन्युअल रूप से अवशोषित किया जाता है। इसके अलावा, भक्त देवता पर अभिषेक नहीं कर रहे हैं। कोई डिजाइन या निर्माण समस्या नहीं है। जो मंडप खुले हैं उनमें वर्षा का पानी गिर सकता है जिस पर बहस हुई थी लेकिन निर्णय उन्हें नागर वास्तुशिल्प मानदंडों के अनुसार खुला रखने का था।

### 90 फीसदी काम पूरा हो चुका

नृपेंद्र मिश्रा ने रविवार को मंदिर निर्माण के कार्यों की समीक्षा की थी। चल रहे कार्यों का निरीक्षण भी किया। इसके बाद पत्रकारों को बताया कि राम मंदिर के प्रथम तल का निर्माण 90 फीसदी पूरा हो चुका है। आगामी जुलाई तक प्रथम तल पूरी तरह तैयार हो जाएगा। इसके बाद प्रथम तल पर राम दरबार की स्थापना की जाएगी।

## सिंगल कॉलम

### एमडीएच मसालों की इंदौर में भी जांच, राजस्थान में लग चुका है प्रतिबंध

**इंदौर।** देश के मशहूर ब्रांड एमडीच मसालों में हानिकारक रसायनों की मात्रा ज्यादा होने मामला सामने आने के बाद नेपाल में उसकी बिक्री पर प्रतिबंध लग चुका है। राजस्थान सरकार ने भी मसालों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा है। मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित कंपनी के डिपो से मसालों के सेंपल लिए गए है, लेकिन अभी तक उनकी रिपोर्ट नहीं आई है। एमडीएच मसालों में एथिलीन आक्साइड की मात्रा ज्यादा होने की आशंका चलते देश के कई शहरों में इस ब्रांड के सेंपल लिए जा रहे है। हांग-कांग ने पिछले महीने एमडीएच के तीन मसालों व एवरेस्ट के एक मसाले की बिक्री पर रोक लगा चुका है। इसके बाद राजस्थान के खाद्य सुरक्षा विभाग ने सेंपल लेकर जांच की थी और कुछ बैचों में गड़बड़ी पाई गई थी। इसके बाद राजस्थान में बिक्री पर रोक लगाने का फैसला लिया गया। इंदौर के डकाच्या में कंपनी का डिपो है। यहां से प्रदेश के कई हिस्सों में मसाले बिक्री के लिए जाते है। कुछ दिनों पहले यहां से सेंपल लेकर जांच के लिए भोपाल प्रयोगशाला भेजे गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनीष स्वामी ने बताया कि अभी सेंपलों की रिपोर्ट हमें नहीं मिली है। एमडीएच मसाले के चीफ मार्केटिंग अधिकारी सुशील मनसौत्रा का कहना है कि हमारे ब्रांड में कोई हानिकारक रसायन नहीं है। हमने अपना पक्ष सरकार के सामने रखा है। राजस्थान में भी हमारे ब्रांड के मसाले बिक रहे है।

### शहर के अंदर दौड़ने वाली बसों पर होगी सख्ती, डेढ़ माह का समय दिया

**इंदौर।** शहर के अंदर संचालित होने वाली बसों पर सख्ती की तैयारी प्रशासन ने की है। बस ऑपरेटर को डेढ़ महीना का समय दिया है और कहा है कि बसों का संचालन शहर के बाहर से करें। कलेक्टर आशीष सिंह का कहना है कि शहर के अंदर से संचालित है शहर के अंदर से संचालित होने वाली बस बिना किसी लाइसेंस और परमिशन के संचालित हो रही है। सभी को हमारे द्वारा नोटिस भी दिए गए हैं सभी बस ऑपरेटर को डेढ़ महीने का समय दिया गया है। बस ऑपरेटर से कहा गया है कि वह अपने ऑपरेशंस शहर से बाहर शिफ्ट कर ले। बस ऑपरेटरों को नायता मुंडला स्थित बस स्टैंड का भी विकल्प बस संचालित करने के लिए दिया गया है। इसके अलावा अगर वह शहर से बाहर अन्य किसी प्राइवेट जगह पर शिफ्ट होना चाहते हैं तो वे स्वतंत्र है। देखा गया है कि सभी लंबी रूट की बसें हैं यह जब चौराहे पर टर्न करती है तो ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती है। बेस जहां रोड पर खड़ी होती है वहां पर भी अधिक जगह गिरती है और लंबे समय तक खड़े रहने से यातायात बाधित होता है।

### कार की टक्कर से महिला की मौत, सड़क पार करते समय हुआ हादसा

**इंदौर।** इंदौर के खजराना इलाके में रविवार रात एक महिला की मौत हो गई। महिला हादसे के दौरान करीब आंधे घंटे तक सड़क पर पड़ी रही। लेकिन मदद के लिये एम्बुलेंस नहीं पहुंची। काफी देर बाद उसे एमवाय अस्पताल भेजा गया। यहां पर उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम किया है। पुलिस के मुताबिक महिला का नाम वासु बाई पति शेखर निवासी सूरज नगर है। परिवार के लोगों ने बताया कि वासु बाई घरों में खाना बनाती है। वह देर शाम पैदल घर लौट रही थी। इस दौरान मयूर अस्पताल के पास सड़क पार करते समय उसे एक कार ने टक्कर मार दी। इस दौरान महिला गंभीर हालत में काफी देर तक सड़क पर पड़ी रही। वहां से निकलने वाले लोगों ने एम्बुलेंस को कॉल किया। काफी देर तक खून ज्यादा बहने के चलते महिला ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। परिवार के लोगों ने बताया कि वासु बाई के पति की काफी समय पहले मौत हो चुकी है। उनका एक बेटा है। जिसकी शादी हो चुकी है। वह अपने परिवार अलग रहता है। वासु बाई अपने भाई के घर पर रहती थी।

### आधे घंटे की बारिश में सड़कें लबालब, कई इलाकों में बिजली गुल

**इंदौर।** इंदौर में सोमवार रात को फिर तेज बारिश शुरू हो गई। मानसून एंट्री की दूसरी जमकर बादल गरजे और बिजली भी चमकती रही। बारिश का यह दौर सिर्फ शहरी क्षेत्र में ही नहीं बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों में भी चल रहा है। स्थिति यह रही कि आधे घंटे की बारिश में ही कई सड़कें लबालब हो गई। कई क्षेत्रों की बिजली भी गुल हो गई। मौसम वैज्ञानिकों ने रात को खासी बारिश के आसार जताए हैं। बारिश का यह दौर रात 9.30 बजे शुरू हो हुआ जिसने शहर को भीगो दिया। इस दौरान एलआईजी, एमआईजी, अंबेडकर नगर, परदेशीपुरा, राजेंद्र नगर सहित कई क्षेत्रों बिजली गुल हो गई। जोरदार बारिश के शहर की कई सड़कों पर काफी पानी हो गया। इसके पूर्व शनिवार को दिन का तापमान 33.8 (-1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। रविवार को सुबह बादल छाए रहे और बारिश के आसार बने लेकिन फिर दिन में धूप रही। इस दौरान तापमान 2 डिग्री उछलकर 35.3 (+1) डिग्री सेल्सियस रहा।

# आज के दिन भारत ने पहली बार जीता था क्रिकेट वर्ल्ड कप, इंदौरी ने चुनी थी टीम

**सिटी चीफ इंदौर।**

भारतीय टीम क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप की विश्व चैंपियन बनने के लिए कैरेबियाई धरती पर मुकाबला कर रही है। भारतीय खिलाड़ी जब भी क्रिकेट मैदान पर उतरते हैं तो वर्ष 1983 की खिताबी जीत हमेशा प्रेरणास्रोत होती है। भारत आज भले ही क्रिकेट की महाशक्ति हो, लेकिन सन 1983 में हालात अलग थे। न बीसीसीआई के पास पैसा था, न ही अब जैसा रुतबा। विश्व कप अंग्रेजों के घर में था, जो आजाद होने के बाद भी भारतीयों को प्रति कुछ अलग ही नजरिया रखते थे। मगर जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ा, भारतीय टीम चैंपियन नजर आने लगी। फिर आया 25 जून 1983 का वह दिन, जब भारत ने तब की अपराजेय मानी जाने वाली वेस्टइंडीज को हराते हुए दुनिया को मानो सन्न कर दिया। भारतीय खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम की ओर दौड़ रहे थे और लॉर्ड्स की बालकनी में एक इंदौरी तिरंगा लहरा रहा था। यह भी कम रोचक नहीं है कि विश्व विजेता टीम को चुनने वाला भी एक इंदौरी ही था। बीसीसीआई के पूर्व सचिव संजय जगदाले बताते हैं, भारतीय क्रिकेट को 1983 की खिताबी जीत ने बिल्कुल बदल दिया। तब इंदौर के चंदू सरवटे भारतीय टीम के चयनकर्ता थे। सरवटे खुद की प्रथमश्रेणी क्रिकेटर रहे थे और पेशेवर जीवन में प्रदेश के ख्यात फिंगर प्रिंट विशेषज्ञ भी थे। स्वभावगत छोटी-छोटी चीजों पर उनकी नजर होती थी। विश्व कप के हालात के अनुसार खिलाड़ियों के चयन में उनका अहम योगदान रहा। विश्व कप से पहले किसी को भारतीय टीम के चैंपियन बनने की उम्मीद कम थी, लेकिन सरवटे को

अपनी टीम पर यकीन था। उल्लेखनीय है कि सरवटे मप्र टीम के लंबे समय तक कप्तान रहे, साथ ही मप्र क्रिकेट संगठन के सचिव भी रहे। वे दाएं हाथ के ऑफ स्पिनर और कुशल बल्लेबाज थे। विश्व कप के समय बीसीसीआई के सचिव इंदौर के अनंतवागेश कनमड़ीकर थे। विश्व कप के फाइनल के दौरान टीम का हौसला बढ़ाने जज साहब के नाम से लोकप्रिय कनमड़ीकर लॉर्ड्स में मौजूद थे। किसी आम प्रशंसक की तरह तिरंगा लेकर तैयार थे। जैसे ही टीम जीती उन्होंने लॉर्ड्स की बालकनी से तिरंगा लहराना शुरू किया। यह दृश्य तब बहुत लोकप्रिय हुआ था। कनमड़ीकर के पोते प्रसून बताते हैं मैच के दौरान मेरे पिता और एमपीसीए के पूर्व सचिव मिलिंद भी स्टेडियम में मौजूद थे। मेरी दादी ने उन्हें अपना टिकट दिया था। मगर मुख्य पवैलियन के गेट पर उन्हें इसलिए रोक दिया गया क्योंकि उन्होंने टाई नहीं पहनी थी। टीम स्टेडियम के पास वेस्टमोरलैंड होटल में रुकी थी। यहां रात को जश्न का माहौल था, जो पूरी रात जारी रहा। मेरे पिता और रवि शास्त्री युवा थे और वे ही मेरे पिता को पार्टी में लेकर गए। तब हर जगह दीपावली मन रही थी।

### पिता के मोबाइल पर आई एम सॉरी का मैसेज किया और कर ली आत्महत्या

# टीसीएस की प्रोजेक्ट मैनेजर आठवीं मंजिल से कूदी, मौत

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर। इंदौर में बीसीएम हाइट्स बिल्डिंग की आठवीं मंजिल से एक युवती ने कूदकर जान दे दी। युवती टीसीएस कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर थी। आत्महत्या करने से पहले युवती ने अपने पापा के मोबाइल पर आई एम सॉरी का मैसेज किया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी। युवती ने आत्महत्या क्यों की। पुलिस इसका पता लगा रही है। युवती का मोबाइल भी पुलिस से जब्त किया है।

घटना सोमवार दोपहर की है। आत्महत्या करने वाली युवती का नाम सुरभि जैन है। वह बीसीएम हाइट्स में नहीं रहती है। संभवत: वह वहां किसी से मिलने आई थी। उसके बाद उनसे आत्महत्या कर ली। युवती के बिल्डिंग से गिरने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे। काफी देर तक युवती का नाम पता नहीं चल पाया। उसके मोबाइल की जांच से पता चला कि वह एक आईटी कंपनी में जॉब करती है और उसका नाम सुरभि है।

**पुलिस ने युवती के पिता को दी सूचना**

अफसरों ने सुरभि के पिता अशोक कुमार जैन को सूचना दी तो वे मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि सुरभि उनकी इकलौती

बेटी थी और वह डिप्रेशन में थी। उसका इलाज भी चल रहा था। वह अनूप नगर में रहती है और सुबह घर से दफ्तर जाने के लिए निकली थी। उसकी कार भी पार्किंग में मिली। बीसीएम हाइड्स के रहवासी डॉ. मुकेश तिवारी का कहना है कि ब्लॉक में इंटरकॉम सुविधा नहीं है। यदि युवती की एंट्री गेट पर सुरक्षाकर्मी द्वारा जानकारी ली जाती तो हो सकता है कि यह घटना टल जाती। इस व्यवस्था में सुधार होना चाहिए।

**इकलौती बेटी थी सुरभि**

पिता अशोक कुमार जैन ने कहा कि सुरभि उनकी इकलौती बेटी थी। सोमवार को वह ऑफिस के लिए घर से निकली थी। बताया जा रहा है कि वह कार से बीसीएम हाइट्स पहुंची थी। फिर लिफ्ट से छत पर गई और वहां से नीचे कूद गई।

**सभी जेवर पिता को सौंप दिए थे**

सुरभि जैन अनूप नगर एमआईजी में रहती थी। सुसाइड से पहले उसने अपने सभी जेवर पिता को सौंप दिए थे। बताया जा रहा है कि सुरभि शादीशुदा थी। कुछ समय पहले उसका पति से तलाक हो गया था।

## इंदौर में आपातकाल के बंदी आज भी नहीं भूले यातनाएं, बर्फ पर घंटों लेटाकर लगाते थे करंट

**सिटी चीफ इंदौर।**

25 जून 1975 को अचानक आपातकाल लगाकर लोगों को जबरन जेल में डाला गया। सोते हुए लोगों को परिवार के बीच से उठाकर जबरन घसीटते हुए पुलिस ले गई। स्वजन बिलखते रहे, लेकिन पुलिस ने कोई दया नहीं दिखाई। थानों में पूछताछ के नाम पर खूब अत्याचार किए गए। बर्फ की शिलाओं पर घंटों लिटाया जाता था। इस कारण शरीर का एक हिस्सा पूरी तरह से सुन्न हो जाता था। इससे भी मन नहीं भरने पर लोगों को उल्टा लटकाकर करंट लगाया गया। कई लोगों के पैरों पर जूते पहनकर पुलिस वाले खड़े हो जाते थे। पैर के नाखून तक निकाल दिए। लोगों ने बगैर अपराध के नर्क की यातनाएं झेलीं, परंतु अत्याचार के विरुद्ध नहीं झुके। मीसाबंदी कानून के तहत 19 माह जेल में रहे इंदौर में संघ के तत्कालीन शारीरिक शाखा प्रमुख रमेश गुप्ता आज भी तब की यातना नहीं भूले। उन्होंने बताया कि तब राजनेताओं, आरएसएस के पदाधिकारियों के साथ ही अन्य लोगों को जेल में डाल दिया गया था। मीडिया पर भी प्रतिबंध था। दूसरी पंक्ति के पदाधिकारियों ने लोगों को जगाने के लिए पर्चे छपवाकर बांटे। 11 अगस्त को प्रकाशचंद सेठी इंदौर आने वाले थे और हमने पूरे शहर में पर्चे चिपका दिए। 12 अगस्त को एक साथ 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया। थाने में पूछताछ के लिए कई साथियों के साथ बहुत बुरा बर्ताव किया गया। हमारे साथ गिरफ्तार गोविंद चौरसिया के दोनों घुटने तोड़ दिए और नाखून भी उखाड़ दिए। 19 माह में किसी को पैरोल नहीं दी गई। शिक्षक प्रेमचंद राठौर भी मीसाबंदी में बंद थे। उनके आठ वर्षीय बालक की बालकनी से गिरने से मौत हो गई, लेकिन अंतिम संस्कार के लिए पैरोल नहीं दी। हम सभी ने भूख हड़ताल की, तब जाकर दो घंटे के लिए बेड़ियों में जकड़कर श्मशान ले गए। वहीं से वापस जेल में लाकर डाल दिया। पत्नी ने यह विकट यातना अकेले झेली। हमारे ही एक साथी की पत्नी की भी इस दौरान मौत हो गई।

**राशन के लिए परेशान रहा परिवार**

रमेश गुप्ता ने कहा कि मेरी तीन माह की बेटी का स्वास्थ्य खराब होने पर पत्नी कलेक्ट्रेट पैरोल के लिए गई, लेकिन धक्के मारकर निकाल दिया था। मित्र और स्वजन गिरफ्तारी के डर से घर नहीं आते थे। बच्चों की पढ़ाई छूट गई। राशन के लिए परिवार परेशान रहा। माता-पिता और पत्नी ने बच्चों को बिना भोजन के सुलाया है।

## खानपान का शौक इंदौर शहर के लोगों को बना रहा डायबिटीज का शिकार

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर शहर खानपान का शौकीन है, लेकिन यही शौक अब बीमारी की बड़ी वजह बन रहा है। इंदौर में डायबिटीज के मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ रही है। वर्तमान में यहां डायबिटीज के मरीजों का ग्राफ 25 से 30 प्रतिशत तक पहुंच गया है। मध्य प्रदेश की यह आर्थिक राजधानी अब यहां की डायबिटीज कैपिटल भी बनती जा रही है। डायबिटीज का प्रभाव केवल आंख, किडनी, दिल पर ही नहीं दिखता, बल्कि पैरों पर भी नजर आता है। अन्य समस्याओं का पता तो डायबिटीज के मरीज को चल जाता है, लेकिन पैरों में यदि चोट भी लगती है तो देर से पता चलता है और नतीजतन पैर में घाव हो जाते हैं। कई बार तो समस्या इतनी बढ़ जाती है कि पैर तक काटना पड़ता है। यह बात शहर में रविवार को इंडियन पोडियाट्री एसोसिएशन द्वारा आयोजित राष्ट्रस्तरीय कांफ्रेंस में डाक्टरों ने कही। इसमें देशभर के करीब 400 विशेषज्ञ शामिल हुए। इसमें डाइबेटोलाजिस्ट, जनरल फिजिशियन, प्लास्टिक सर्जन, इंटरवेंशनल रेडियोलाजिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, आर्थोडिक्स आदि ने अनुभव साझा किए। डायबिटीज के रोकथाम और उसके उपचार के प्रति लोगों व चिकित्सकों को जागरूक करने के लिए एसोसिएशन द्वारा देशभर में कांफ्रेंस आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में शहर में हुई कांफ्रेंस में भी विशेषज्ञों ने भाग लिया। दिल्ली से आए इंडियन पोडियाट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. एपीएस सूरी ने कहा कि डायबीटिक मरीजों के पैरों में अक्सर चोट या अन्य कारण से घाव हो जाते हैं। भारत में एक साल में दो लाख लोगों के पैर काटे जाते हैं।

## पिता को लिवर देने के लिए नाबालिग बेटी पूरी तरह से फिट

### फिर भी अधर में लटका मामला, अगली सुनवाई 27 को

**इंदौर।** नाबालिग बेटी फिलहाल पिता को अपना लिवर नहीं दे सकेगी। उसे इसके लिए इंतजार करना होगा। इस मामले को लेकर हाईकोर्ट में चली रही याचिका में सोमवार को स्वास्थ्य आयुक्त को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करना थी, लेकिन उन्होंने नहीं की। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि वे दो दिन में अनिवार्य रूप से रिपोर्ट प्रस्तुत कर दें, वरना व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित रहें। इधर, एमवायएच मेडिकल बोर्ड ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट कोर्ट में दे दी। इसमें कहा है कि नाबालिग पिता को लिवर देने के लिए पूरी तरह से फिट है। मामले में अगली सुनवाई 27 जून को होगी। संभवत: इसी दिन तय हो जाएगा कि नाबालिग को पिता को लिवर देने की अनुमति मिलेगी या नहीं। बेटमा निवासी 42 वर्षीय शिवनारायण बाथम को डाक्टरों ने लिवर ट्रांसप्लांट की सलाह दी है। वे पिछले छह वर्ष से लिवर की बीमारी से पीड़ित हैं। शिवनारायण की बेटी प्रीति अपने पिता को अपना लिवर देने को तैयार है, लेकिन उसकी आयु 17 वर्ष 10 माह होने से वह बगैर कोर्ट की अनुमति के अपना लिवर नहीं दे सकती। उसने इस मामले में एडवोकेट नीलेश मनोरे के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका प्रस्तुत की है। पिछली सुनवाई पर कोर्ट ने एमवायएच अधीक्षक को आदेश दिया था कि वे मेडिकल बोर्ड गठित कर जांच करें कि नाबालिग लिवर देने के लिए फिट है या नहीं। इसके साथ ही कोर्ट ने स्वास्थ्य आयुक्त से भी इस मामले में रिपोर्ट तलब की थी।

## मप्र की धरती पर पहली बार बेबी जेब्रा का जन्म, इंदौर चिड़ियाघर में नया सदस्य

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर। इंदौर चिड़ियाघर में नया मेहमान आया है। अफ्रीकन जेब्रा ने नर बच्चे को जन्म दिया है। यह पहला मौका है जब प्रदेश की धरती पर अफ्रीकन जेब्रा ने किसी बच्चे को जन्म दिया है। नया मेहमान पूरी तरह स्वस्थ्य है। जन्म के कुछ घंटे बाद ही वह खुले पिंजरे में चहल-कदमी करने लगा। पर्यटक भी नए मेहमान को जल्दी ही देख सकेंगे। जाम नगर प्राणी संग्रहालय से पांच महीने पहले इंदौर में अफ्रीकन जेब्रा का जोड़ा लाया गया था। बदले में सफेद टाइगर का जोड़ा जाम नगर भेजा गया था। इंदौर में जेब्रा के जोड़े को चिड़ियाघर का माहौल खूब रास आया।

**जल्द ही होगा नामकरण**

जन्म लेने वाला नया जेब्रा नर है और जल्दी ही चिड़ियाघर प्रबंधन उसका नामकरण भी करेगा। इंदौर चिड़ियाघर में जेब्रा नहीं था। जू एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पहले मुबंई के चिड़ियाघर से इसे लाने की कवायद की गई थी, लेकिन फाइल आगे नहीं बढ़ पाई। बाद में जाम नगर चिड़ियाघर से जेब्रा को इंदौर पहुंचाने की सहमति बनी थी। इंदौर चिड़ियाघर में 1200 से ज्यादा वन्य प्राणी है। यहां टायगरों के लिए खुले

पिंजरे बनाए गए है और उनका वातावरण भी जंगल जैसा है। इस माहौल के कारण एक साल में दस शावकों ने इंदौर चिड़ियाघर में जन्म लिया है। चिड़ियाघर में सांप घर और बर्ड हाऊस भी बना हुआ है। जिसे पर्यटक काफी पसंद करते है ।

**पूरी तरह स्वस्थ्य है नया सदस्य**

चिड़ियाघर प्रभारी डॉ. उत्तम यादव ने बताया कि नया मेहमान पूरी तरह स्वस्थ्य है। जन्म के बाद उसकी मां उसका पूरा ख्याल रख रही है। मध्य प्रदेश की धरती पर पहली बार अफ्रीकन बेबी जेब्रा ने जन्म लिया है और नया वातावरण उसके अनुकूल है।

**गुजरात से लाया गया था जोड़ा**

इंदौर चिड़ियाघर प्रबंधन ने इंदौर में जेब्रा जोड़ा लाने के लिए प्रयास किए थे। प्रबंधन तीन साल के प्रयास के बाद सफल हो पाया था। अफ्रीकन जेब्रा के लिए मुंबई के वीरमाता जीजाबाई भोंसले चिड़ियाघर को प्रस्ताव भेजा था। साथ ही सेंट्रल जू अथारिटी से एनिमल एक्सचेंज के तहत अनुमति चाही थी। वहां से तब हरी झंडी मिल गई थी। मुंबई और इंदौर कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अफ्रीकन जेब्रा को मुंबई चिड़ियाघर से इंदौर भेजने की तैयारी पूरी हो चुकी थी। महाराष्ट्र में फाइनल निर्णय लेने में दिक्कत आ गई और मामला अटक गया। इसके चलते कर्नाटक और गुजरात से जेब्रा मांगा गया। अंतत: गुजरात से यह सहमति बनी। पांच महीने पहले जेब्रा आ गए। बदले में व्हाइट टाइगर जामनगर-गुजरात को देना तय हुआ है।

### 2 माह में होगा ट्रायल, स्लीपर कोच के साथ दौड़ेगी ट्रेन, भोपाल को जोड़ेगी दिल्ली और मुंबई से

# वंदे भारत में सोते हुए भी सफर कर सकेंगे यात्री

**सिटी चीफ भोपाल।**

भोपाल । देशभर में कई जगहों पर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जा रही है। हालांकि सभी आधुनिक सुविधाओं वाली वंदे भारत सिटिंग ट्रेन है, स्लीपर नहीं है। अब इसे लेकर बड़ी खबर सामने आई है। वंदे भारत की पहली स्लीपर ट्रेन शुरू होने जा रही है। ये भोपाल से होकर गुजर सकती है।

वंदे भारत की पहली स्लीपर ट्रेन मुंबई से दिल्ली के बीच चलाई जाएगी। ये मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से होकर गुजरेगी। इस ट्रेन के चलने से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को बहुत फायदा मिलेगा। दिल्ली-मुंबई रेलवे रूट काफी हाईडिमांड वाला है। ज्यादा यात्रियों के चलते इस रूट पर ट्रेनें फुल रहती हैं, आसानी से रिजर्वेशन मिलने में भी दिक्कत होती है। ऐसे में इस रूट पर वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलने से यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। यही वजह है कि दिल्ली-मुंबई रूट पर सबसे पहले स्लीपर ट्रेन चलाने की तैयारी की जा रही है।

**केंद्रीय रेल मंत्री ने किया था ऐलान**

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कुछ दिनों पहले ऐलान किया था कि भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन 2 महीनों के भीतर ट्रैक पर होगी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के ट्रेनसेट का कार्य तेजी से चल रहा है और पहली ट्रेन 2 महीनों के भीतर ट्रैक पर होगी। उन्होंने बताया कि सभी तकनीकी कार्य अंतिम चरण में हैं। बता दें कि इस रूट पर अगले महीने से ट्रायल शुरू हो सकता है।

**बेहद आरामदायक होगा सफर**

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का सफर बेहद आराम दायक होगा। इस ट्रेन में कुल 16 कोच होंगे। इसमें 10 कोच थर्ड एसी, चार कोच सेकेंड एसी के होंगे, वहीं एक कोच फर्स्ट एसी का होगा। स्लीपर वंदे भारत ट्रेन में दो एसएलआर कोच भी होंगे। जानकारी के मुताबिक, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन प्रथम चरण में 130 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। इसके बाद धीरे-धीरे 160-220 प्रतिघंटे की स्पीड से चलने लगेगी।

### प्रदेश में पहली बार सरकारी अस्पताल में निजी जैसी सुविधा

# एम्स में आईवीएफ ट्रीटमेंट से गूंजेगी किलकारी

**सिटी चीफ भोपाल।**

राजधानी भोपाल स्थित एम्स लगातार मरीज की सुविधाओं को बढ़ाया जा रहा है। अब एम्स अस्पताल में जल्द ही आईवीएफ की सुविधा शुरू करने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के लिए बता दें कि एम्स भोपाल प्रदेश का ऐसा पहला अस्पताल होगा, जहां किसी सरकारी अस्पताल में आईवीएफ ट्रीटमेंट शुरू किया जाएगा। एम्स भोपाल के डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने बताया कि एम्स में आईवीएफ उपचार सुविधा बहुत जल्द शुरू होने की उम्मीद है। यह राज्य में आईवीएफ उपचार प्रदान करने वाली पहली सरकारी सुविधा बन जाएगी। आईवीएफ स्किल लैब कई उच्च-निष्ठा डिजिटल सिमुलेटर के साथ एक प्रशिक्षण सुविधा है, जो डॉक्टरों को आईवीएफ प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में बांझपन उपचार और आईवीएफ के लिए आवश्यक विभिन्न प्रक्रियाओं, जैसे हिस्टेरोस्कोपी, डिंब पिक-अप और भ्रूण स्थानांतरण का अभ्यास करने में सक्षम बनाती है। ये सिमुलेटर आधुनिक डिजिटल और एआई तकनीक पर आधारित हैं और प्रशिक्षुओं के लिए अलग-

अलग कठिनाई स्तरों के साथ कई तरह की प्रक्रियाओं और मामलों को शामिल करते हैं।

**जानें क्या होता है आईवीएफ ट्रीटमेंट**

आज के समय में, खान-पान से लेकर रहन-सहन तक, सभी चीजें बदल गई हैं। लोगों के जीवन जीने का तरीका पूरी तरह से बदल गया है। इसका असर महिलाओं के प्रेग्नेंसी पर भी पड़ता है। इन सब के कारण महिलाओं को कंसीव करने में भी दिक्कतें आती हैं। यदि कंसीव हो भी जाए तो मिसकैरेज जैसी समस्याएं हो जाती हैं या प्रेग्नेंसी सफलता पूर्वक नहीं हो पाती है। ऐसे समस्याओं से ही निजात पाने के लिए आईवीएफ ट्रीटमेंट किया जाता है। आईवीएफ को इन विट्रो फर्टीलाइजेशन के नाम से भी जाना जाता है। जब महिला का शरीर ऐग को फर्टिलाइज करने में सक्षम नहीं होता है, तो उसे लैब में फर्टिलाइज कराया जाता है। इसमें महिला के अंडे और पुरुष के स्पर्म को मिलाया जाता है। एक बार जब इसके संयोजन से भ्रूण का निर्माण हो जाता है, तो उसे वापस महिला के गर्भाशय में डाल दिया जाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो, आईवीएफ ट्रीटमेंट स्त्री के ऐग और पुरुष के स्पर्म को लैब में फर्टिलाइज करके भ्रूण का निमार्ण किया जाता है। उसके बाद उस भ्रूण को वापस महिला के गर्भाशय में स्थानांतरित किया जाता है। इसे आईवीएफ कहते हैं। आईवीएफ को हिंदी में भ्रूण प्रत्यारोपण भी कहा जाता है और आईवीएफ के द्वारा जन्में शिशु को टेस्ट ट्यूब बेबी कहा जाता है।

**ऐसे किया जाता है ट्रीटमेंट**

आईवीएफ प्रक्रिया करने से पहले महिला और पुरुष दोनों की जांच की जाती है। उसके बाद जांच की रिपोर्ट के आधार पर प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाता है। सबसे पहले पुरुष के सीमेन (स्पर्म) को लैब में दिया जाता है, जहां उसके अच्छे और खराब शुक्राणुओं को अलग-अलग किया जाता है। उसके बाद महिला के शरीर से इंजेक्शन द्वारा उसके अंडे को बाहर निकालकर फ्रीज किया जाता है। फिर लैब में अंडे के उपर अच्छे शुक्राणु जो सक्रिय है, उनको रखा जाता है और प्राकृतिक रूप से फर्टिलाइज होने के लिए छोड़ दिया जाता है। उसके बाद फर्टिलाइजेशन के तीसरे दिन तक भ्रूण तैयार हो जाता है, जहां कैथिटर उपकरण की सहायता से उसे महिला के गर्भाशय में रख दिया जाता है। भ्रूण स्थानांतरित करने के कुछ घंटे बाद महिला अपने घर जा सकती है। फिर दो सप्ताह बाद महिला को गर्भाशय की जांच के लिए बुलाया जाता है और प्रेग्नेंसी टिप्स दिए जाते हैं।

### महापौर ने शिकायत करने वालों से फोन पर लिया फीड बैक, बाकी समस्याएं भी जल्द दूर करने का आश्वासन

# तीन महीने में 17 हजार शिकायतें 16 हजार का समाधान

**सिटी चीफ भोपाल।**

भोपाल महापौर हेल्प लाइन में आचार संहिता को दौरान साढ़े तीन महीने के अंदर कुल 17 हजार 544 शिकायतें आई हैं। इनमें से एक हजार 44 समस्याएं ही बाकी रह गईं। बाकी का समाधान कर दिया है। महापौर सोमवार को इसका निरीक्षण करने पहुंची। महापौर मालती राय इस दौरान अफसरों के साथ शिकायत करने वाले लोगों को भी कॉल किया। उनसे फीड बैक लेकर अन्य समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया।

महापौर ने कहा कि महापौर हेल्प लाइन पर आखिरी बार समीक्षा मार्च में की थी। इसके बाद लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लग गई थी। इसलिए समीक्षा नहीं कर सके थे। जो शिकायतें पेंडिंग हैं, उन्हें भी जल्दी दूर करने को कहा गया है।

भोपाल के स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से सोमवार को महापौर मालती राय ने मोबाइल पर

अफसरों को फोन करके निर्देश दिए। यहां महापौर ने महापौर महिला हेल्प लाइन की समीक्षा की और हर विभाग के जिम्मेदारों को कॉल करके पेंडिंग शिकायतों के बारे में बताया। दो दिन में सीवेज की सबसे अधिक शिकायतें आने पर उन्होंने सीवेज प्रभारी को कॉल किया और पूछा कि ऐसा क्यों है? सीवेज की शिकायत को तुरंत हल करें। महापौर ने उद्यान, सिविल, गोवर्धन परियोजना, अतिक्रमण, सफाई, स्ट्रीट लाइट, सीवेज, स्ट्रीट डॉग्स प्रभारी को भी कॉल किया।

इनकी सबसे ज्यादा हुई शिकायत

महापौर हेल्प लाइन में भोपाल में लोगों को काट रहे कुत्तों की शिकायतें सबसे ज्यादा आई हैं। इन शिकायतों संख्या बढ़ कर 888 हो गई है, जो अन्य शिकायतों की तुलना में सबसे ज्यादा है। इसके बाद सीवेज, स्मार्ट लाइट की समस्याएं शामिल हैं।

# समय आने पर विधानसभा की सदस्यता से दूंगा त्याग पत्र : रामनिवास रावत

**सिटी चीफ भोपाल।**

भाजपा में चले गए विजयपुर से कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत ने पहली बार विधानसभा की सदस्यता से त्याग पत्र देने की बात कही है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा है कि जब समय आएगा, तो इस्तीफा भी दे दूंगा। अब तक वह त्याग पत्र देने से मना करते रहे थे। उधर, कांग्रेस ने भी विधानसभा सचिव को पत्र लिखकर रावत की सदस्यता समाप्ति की मांग करने की तैयारी की है। पार्टी ने विधानसभा में अपनी बैठक व्यवस्था में रावत और भाजपा में शामिल हो गईं बीना से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे को शामिल नहीं किया है। सोमवार को भोपाल में मीडिया से बातचीत में रावत ने कहा, मैं खुद उनके (कांग्रेस) साथ नहीं बैठना चाहता। बता दें, रावत इसी वर्ष अप्रैल में भाजपा के मंच पर आए थे। तब से वह भाजपा के कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं, मगर सदस्यता से मना कर रहे हैं। इसी आधार पर सदन की सदस्यता से भी उन्होंने त्याग पत्र नहीं दिया है। मीडिया से बातचीत में रावत ने यह भी कहा कि भाजपा में किसी शर्त के साथ नहीं आए हैं। कांग्रेस में निर्णय लेने लेकर स्थिति ठीक नहीं है। मुरैना में उस व्यक्ति को प्रत्याशी बनाया गया, जो मेरे विरुद्ध प्रचार कर रहा था। वह कांग्रेस का सदस्य भी नहीं रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने टिकट भी शायद पैसे लेकर दिए हैं। पूरा हाउस

# बिस्तर में सो रही बच्ची को सांप ने डंसा, दो दिन तक नहीं आया होश

**सिटी चीफ भोपाल।**

राजधानी भोपाल के गोविंदपुरा क्षेत्र में रहने वाली 6 वर्ष की मासूम बच्ची को 16 जून सुबह लगभग 4 बजे सोते समय बाएं पैर में जहरीले सर्प ने डस लिया। जिसके बाद बच्ची को कस्तूरबा अस्पताल में ले गए, जहां सुविधा के अभाव में निजी अस्पताल रोशन में रेफर कर दिया गया। यहां भी ठीक से इलाज नहीं हो रहा था तो परिजनों ने तुरंत हमीदिया अस्पताल ले जाने का निर्णय लिया। तब तक बच्ची काफी सीरियस हो चुकी थी। हमीदिया अस्पताल पहुंचते ही बच्ची को वेंटिलेटर में रखा गया और अस्पताल की टीम ने बच्ची का इलाज शुरू कर दिया। दो दिन

तक बेहोशी की हालत में बच्ची को वेंटिलेटर पर रखना पड़ा। इसके बाद धीरे-धीरे बच्ची ठीक होने लगी अब बच्ची लगभग ठीक है, हालांकि अभी अस्पताल में भर्ती है। बच्ची के मामा ने बताया अगर समय पर अस्पताल नहीं पहुंचते तो बच्ची की जान जा सकती थी। हालांकि कस्तूरबा अस्पताल के स्टाफ ने काफी समय बर्बाद किया और कुछ इलाज भी नहीं किया। उन्होंने हमीदिया अस्पताल के डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया है।

### आनलाइन पर्चा व जांच रिपोर्ट ले सकेंगे रोगी

# सभी अस्पतालों में लागू होगा

**सिटी चीफ भोपाल।**

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अस्पतालों में उपचार के लिए आने वाले रोगियों को पर्चा बनवाने, रिपोर्ट लेने सहित कई सुविधाएं आनलाइन मिल जाएंगी। इसके लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर मेडिकल कालेज तक सभी अस्पतालों में हास्पिटल मैनेजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम (एचएमआइएस) शुरू किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सोमवार को मंत्रालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर इसकी प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में भी इस व्यवस्था का अध्ययन किया जाना चाहिए और उनके अच्छे प्रविधानों को शामिल किया जाना चाहिए।

**आनलाइन होगी व्यवस्था**

एचएमआइएस पोर्टल से रोगी घर से ही

पंजीकरण कर सकेंगे। आभा आइडी के प्रयोग द्वारा रोगियों का समय बचाया जा सकेगा। रोगियों को कतार से बचाने के लिए कतार प्रबंधन और टोकन डिस्प्ले प्रणाली लागू की जाएगी। दवा और जांचों की व्यवस्था का भी पूर्ण एकीकरण होगा, जिससे काम में दोहराव कम होगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मरीजों की सुविधा, उनका स्वास्थ्य प्रोफाइल, उपचार की ट्रैकिंग, संसाधनों का सही उपयोग करने और अच्छी निगरानी के लिए एचएमआइएस प्रभावी होगा। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मो. सुलेमान, प्रमुख सचिव विवेक कुमार पोरवाल उपस्थित थे।

उन्होंने उप मुख्यमंत्री को बताया कि मौजूदा दवा और उपकरण साफ्टवेयर, एमपी-औषधि, ईएमएमएस और अन्य स्वास्थ्य संबंधी पोर्टल के साथ एकीकरण कर दिया जाएगा, जिससे निगरानी आसान हो जाएगी। रिकार्ड आनलाइन होने से किसी भी अस्पताल में परामर्श लेने में सरलता होगी और रेफरल रोगी का तुरंत उपचार शुरू किया जा सकेगा।

# कलेक्टर का डीईओ को निर्देश- निजी स्कूलों की मनमानी पर लगाओ रोक

**सिटी चीफ भोपाल।**

जिले में निजी स्कूलों की मनमानी पर पूरी तरह से रोक लगाई जाए। यदि कोई भी संचालक अभिभावकों पर किसी तरह का दवाब बनाते हैं तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। यह निर्देश कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोमवार को टीएल बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी अंजनी कुमार त्रिपाठी को दिए हैं। साथ ही काम के प्रति लापरवाही बरतने पर उनके प्रति नाराजगी भी जताई। कलेक्टर ने सख्त लहजे में सभी एसडीएम को भी चेताया कि वह भी मनमानी फीस वसूलने और एक ही दुकान से कोर्स की किताबें खरीदने को विवश करने वाले स्कूलों पर दो दिन में सख्त कार्रवाई करें। इससे अधिकारियों ने अधिक फीस वसूलने वाले स्कूलों की सूची बनाना शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार एक माह पहले कलेक्टर ने अभिभावकों की शिकायत के बाद दस प्रतिशत से अधिक फीस वसूलने वाले स्कूलों की रिपोर्ट तैयार करने के लिए सभी एसडीएम और जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए थे। इसके बावजूद एक माह के दौरान यह रिपोर्ट पूरी तरह तैयार नहीं हो सकी। सोमवार को कलेक्टर ने डीईओ अंजनी कुमार त्रिपाठी से इस बारे में पूछताछ की। इस दौरान त्रिपाठी ने कहा कि फिलहाल रिपोर्ट तैयार की जा रही है। कलेक्टर ने कहा कि उन्हें ज्यादा फीस वसूलने की लगातार शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे स्कूलों के खिलाफ दो दिन में कार्रवाई की जाए। बैठक में समस्त एडीएम, एसडीएम एवं जिला प्रशासन के सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने बताया कि तीन जुलाई को हरियाली महोत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान वृहद स्तर पर पौधारोपण का कार्य किया जाएगा।

## सम्पादकीय

# एनडीए सरकार को बिल पास कराने में ज्यादा मेहनत करनी होगी

**पिछले लोकसभा सत्र के मुकाबले इस बार नजारा बदला-बदला दिखा। ऐसा इसलिए क्योंकि मोदी 3.0 सरकार के सामने इस बार एक मजबूत विपक्ष सदन में नजर आया। दरअसल, इस लोकसभा चुनाव में बीजेपी अकेले दम पर बहुमत से दूर रह गई। हालांकि, उनके नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन बहुमत के आंकड़े से काफी आगे निकल गया।**

18वीं लोकसभा के पहले सत्र का आगाज सोमवार सुबह 11 बजे से हो गया। पहले दिन सत्र शुरू होते ही सबसे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने सांसद के तौर पर शपथ ग्रहण की। उनके बाद नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ शुरू हुआ। 18वीं लोकसभा का सत्र जैसे ही शुरू हुआ तो पहली तस्वीर से ही सबकुछ बयां हो गया। पिछले लोकसभा सत्र के मुकाबले इस बार नजारा बदला-बदला दिखा। ऐसा इसलिए क्योंकि मोदी 3.0 सरकार के सामने इस बार एक मजबूत विपक्ष सदन में नजर आया। दरअसल, इस लोकसभा चुनाव में बीजेपी अकेले दम पर बहुमत से दूर रह गई। हालांकि, उनके नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन बहुमत के आंकड़े से काफी आगे निकल गया। 2024 के चुनावी रण में सियासी पार्टियों की स्थिति पर नजर डालें तो बीजेपी को 240 सीटें आई हैं। वहीं टीडीपी, जेडीयू समेत अन्य सहयोगी पार्टियों की बदौलत एनडीए गठबंधन 293 सीटों पर पहुंच गया। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया की बात करें तो उन्हें 234 सीटें आई हैं। पिछली सत्र के मुकाबले यह आंकड़ा काफी ज्यादा है। कांग्रेस ने इस चुनाव में 99 सीटें अपने नाम की है। यह पार्टी का बीते एक दशक के दौरान सबसे अच्छा प्रदर्शन है। इसी के साथ कांग्रेस ने मुख्य विपक्षी पार्टी का भी तमगा हासिल कर लिया। कांग्रेस ही नहीं इंडिया गठबंधन में शामिल एसपी ने भी इस चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया। अखिलेश यादव की पार्टी की इस चुनाव में 37 सीटें आई हैं। कुल मिलाकर इस लोकसभा सत्र में मजबूत विपक्ष की वजह से केंद्र की एनडीए सरकार को बिल पास कराने में ज्यादा मेहनत करनी होगी। सदन में हंगामे के आसार ज्यादा हो सकते हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि 2019 के मुकाबले 2024 में स्थिति बिल्कुल जुदा है। 2019 लोकसभा चुनाव में एनडीए को 350 सीटें आई थीं। वहीं विपक्षी गठबंधन यूपीए के 92 सांसद ही चुनकर लोकसभा पहुंचे थे। उस समय सत्ताधारी खेमा बेहद मजबूत था। हालांकि, इस बार नजारा बिल्कुल अलग ही नजर आ रहा है। लोकसभा में इस बार नेता प्रतिपक्ष भी होगा। पिछले 10 साल से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद इसलिए खाली रहा, क्योंकि साल 2014 के बाद से किसी भी विपक्षी दल के 54 सांसद नहीं जीते। मावलंकर नियम ये कहता है कि नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए लोकसभा की कुल संख्या 543 का 10त्न यानी 54 सांसद होना जरूरी है। 16वीं लोकसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे 44 सांसदों वाले कांग्रेस संसदीय दल के नेता थे, लेकिन उन्हें नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं था। 17वीं लोकसभा में 52 सांसदों की अगुआई अधीर रंजन चौधरी ने की थी। उन्हें भी नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं था। दरअसल हर बड़ी नियुक्ति में शामिल सदन के नेता के बराबर ही नेता प्रतिपक्ष को तरजीह मिलती है। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाली कमेटी में भी उन्हें शामिल किया जाता है, जिसकी अध्यक्षता पीएम करते हैं। नेता प्रतिपक्ष राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, केंद्रीय सूचना आयोग, सीवीसी और सीबीआई के प्रमुखों की नियुक्ति करने वाली कमेटी में भी शामिल होता है। लोकसभा की लोक लेखा समिति का अध्यक्ष भी आमतौर पर नेता प्रतिपक्ष को ही बनाया जाता है। सदन के भीतर प्रतिपक्ष की अगली और दूसरी कतार में कौन नेता बैठेगा, इसकी राय भी विपक्ष के नेता से ली जाती है। चर्चा है कि राहुल गांधी लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता होने के साथ ही नेता प्रतिपक्ष बन सकते हैं। कांग्रेस के भीतर से लगातार उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने की मांग सामने आती रही है। कहा जा रहा है कि राहुल गांधी इस पद के लिए अपना मन बना रहे हैं। अगले हफ्ते इस पर पार्टी अपना रुख साफ कर सकती है। पार्टी के एक सूत्र का कहना है कि नेता प्रतिपक्ष को लेकर हम न तो किसी दबाव में हैं और न जल्दबाजी में। पहले सत्र से जुड़ी औपचारिकता होने दीजिए। इस बार कांग्रेस का संख्याबल 99 है, तो उसके खाते में यह पद आएगा। सोनिया गांधी के राज्यसभा जाने के बाद भी लोकसभा में गांधी परिवार के दो सदस्य रहने की उम्मीद है। दरअसल, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी राहुल द्वारा खाली की गई वायनाड सीट से उम्मीदवार होंगी। ऐसे में उनका आना तय माना जा रहा है। दूसरी ओर आने वाले दिनों में कांग्रेस संगठन के भीतर बड़े पैमाने पर बदलाव की बात कही जा रही है। चार राज्यों में चुनाव हैं। इसके अलावा कांग्रेस उन राज्यों में भी संगठन को मजबूत करने पर जोर देगी, जहां इस लोकसभा में उसका प्रदर्शन बेहतर रहा है। इस सूची में यूपी सबसे ऊपर है।

# अलग मोड़ पर दक्षिण की सियासत केंद्र सरकार को सोच-समझकर उठाना होगा कदम

दक्षिण भारत की राजनीति एक अलग मोड़ ले रही है। क्या इसके फलस्वरूप मोदी सरकार को दक्षिण में आक्रामक रुख अपनाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा? जिस तरह के संकेत मिल रहे हैं, उससे लगता है कि आंध्र प्रदेश से प्रतिस्पर्धा करते हुए माकपा, द्रमुक और कांग्रेस केरल एवं तमिलनाडु के लिए विशेष वित्तीय दर्जे की मांग कर सकती हैं। चूंकि तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा बन गई है, इसलिए हो सकता है कि उसकी मांग को केंद्र सरकार से समर्थन मिल जाए। इस तरह का विशेष वित्तीय दर्जा उत्तरी राज्य, खासकर बिहार भी मांग रहा है। इसलिए केंद्र सरकार को सोच-समझकर कदम उठाना होगा। तमिलनाडु में द्रमुक सरकार को फिलहाल सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि अभी हाल ही में कल्लाकुरिची में अवैध जहरीली शराब पीने से 57 लोगों की मौत हो चुकी है और बहुत से लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। मद्रास उच्च न्यायालय ने भी राज्य सरकार को इसके लिए कड़ी फटकार लगाई। गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी राज्य में शराब त्रासदी की घटना हुई थी, जिसमें 22 लोगों की मौत हुई थी। लेकिन राज्य सरकार ने उसे अवैध शराब नहीं, बल्कि मेथनॉल बताया था। इस घटना पर अन्नाद्रमुक और भाजपा ने राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया है। एमके स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सरकार के खराब प्रदर्शन के कारण जयललिता की मौत के बाद अन्नाद्रमुक के मरणासन्न अलग-अलग गुटों को जीवनदान मिल रहा है। दक्षिण भारत से 130 सांसद चुनकर लोकसभा में पहुंचते हैं, उनमें से अधिकांश सांसदों को लगता है कि मोदी सरकार उत्तर भारतीयों के लिए है। इस तरह का नैरेटिव (आख्यान) कई?नेताओं द्वारा प्रभावी ढंग से प्रचारित किया जा रहा है, जो कि लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। आग में घी डालने का काम करते हुए तमिलनाडु की द्रमुक सरकार ने जस्टिस चंद्रू की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी गठित की, जिसने राज्य के स्कूलों में दूरगामी सुधारों की सिफारिश की। मोदी के नेतृत्व वाले हिंदुत्व के विकास को रोकने के लिए युवाओं के मन में बदले की भावना के साथ द्रविड़ विचारधारा को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे तमिलनाडु में सामाजिक विभाजन चरम पर है। चंद्रू समिति ने सिफारिश की कि तमिलनाडु सरकार जातिगत भेदभाव खत्म करने के लिए स्कूलों में छात्रों को उनकी जातीय पहचान बताने वाले रंगीन कलाई बैंड या अंगूठी पहनने तथा माथे पर तिलक लगाने से रोके। कमेटी ने स्कूलों के नामों में से जातिसूचक शब्द हटाने की भी सिफारिश की है।

# नई लोकसभा के सांसदों से शालीन व्यवहार की अपेक्षा

**आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद भारत की संसद यदि सभ्य एवं शालीन दिखाई न दे तो ये स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण ही कही जाएंगी। एक बार फिर ऐसी ही त्रासद स्थितियों से रू-ब-रू होने की स्थितियां बनना एक चिन्तनीय प्रश्न है। संसद की सार्थकता केवल इसमें नहीं है कि वहां विभिन्न मुद्दे उठाए जाएं बल्कि इसमें है कि उन पर गंभीर एवं शालीन तरीके से चर्चा होकर राष्ट्रहित में प्रभावी निर्णय लिए जाएं।**

अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू चुका है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। तीन जुलाई तक दस दिन के लिए चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई जायेगी। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्तबैठक को संबोधित करेंगी। लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का एहसास कराते हुए आक्रामक होने से नहीं चूकेगा। यही वजह है विपक्ष ने सत्र से पहले परीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख दिखाने की रणनीति बनाई है। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशें होती हुई दिख रही है। वैसे भी वह पहले ही सत्ता पक्ष के गठबंधन के सहयोगियों को लोकसभा अध्यक्ष पद की मांग के लिए उकसाने में लगा हुआ है एवं वहीं स्वयं के लिये लोकसभा के उपाध्यक्ष पद की मांग कर रहा है। विपक्ष ने प्रोटेम अध्यक्ष की नियुक्ति के अलावा नीट-यूजी पेपर लीक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थगित होने के मामले में सरकार को घेरने एवं संसदीय कार्रवाई को बाधित करने की रणनीति बनाई है, जिससे पहले दिन ही हंगामे के परिदृश्य देखने को मिले। बेहतर संख्या बल के चलते विपक्ष का उत्साहित होना स्वाभाविक है और उसके नेताओं की ओर से विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में भी कुछ अनुचित नहीं, लेकिन इस तैयारी के नाम पर संसद में हंगामा और शोरशराबा करके ऐसी परिस्थितियां नहीं पैदा की जानी चाहिए जिससे संसद चलने ही न पाए। एक लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि विभिन्न मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही के नाम पर विपक्ष संसद में हंगामा और अव्यवस्था पैदा करना उचित समझता आ रहा है, उसके तेवर इस बार ज्यादा ही उग्र एवं उत्तेजिक दिख रहे हैं, जो संसदीय परम्परा के लिये दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद चाहे जिस दल के हो, उनसे शालीन एवं सभ्य व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। लेकिन सांसद अपने दूषित एवं दुर्जन व्यवहार से संसद को शर्मसार करते हैं तो यह लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर की गरिमा के प्रतिकूल है। संसद राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है। यदि वहां भी शालीनता, मयार्दा एवं सभ्यता का भंग होता है तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के गौरव का आहत होना निश्चित है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद भारत की संसद यदि सभ्य एवं शालीन दिखाई न दे तो ये स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण ही कही जाएंगी। एक बार फिर ऐसी ही त्रासद स्थितियों से रू-ब-रू होने की स्थितियां बनना एक चिन्तनीय प्रश्न है। संसद की सार्थकता केवल इसमें नहीं है कि वहां विभिन्न मुद्दे उठाए जाएं बल्कि इसमें है कि उन पर गंभीर एवं शालीन तरीके से चर्चा होकर राष्ट्रहित में प्रभावी निर्णय लिये जाये। दुर्भाग्य से संसद में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर ऐसी कोई चर्चा कठिनाई से ही होती है जिससे देश को कोई दिशा मिल सके और समस्याओं के समाधान खोजे जा सके। उचित यह होगा कि संसद में दोनों ही पक्ष संसदीय कार्यवाही के जरिये एक उदाहरण पेश करें, नयी संभावनाओं एवं सौहार्द का वातावरण बनाते हुए नई उम्मीदों एवं संकल्पों के सत्र के रूप में इस सत्र एवं आगे के सत्रों का संचालन होने दें।

अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र को लेकर उत्सुकता एवं कुतूहल का वातावरण पक्ष-विपक्ष के नवनिर्वाचित सांसदों में ही नहीं, बल्कि आम जनता में भी है। गठबंधन की स्थितियों के कारण यह लोकसभा पिछली लोकसभा से भिन्न होगी। इस बार विपक्ष का संख्या बल कहीं अधिक है और सत्तापक्ष गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहा है। यद्यपि यह गठबंधन सरकार अतीत की गठबंधन सरकारों से भिन्न है, क्योंकि उसका नेतृत्व करने वाला दल यानी भाजपा बहुमत से कुछ ही पीछे है। इसके बावजूद संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिल सकता है। इस टकराव के आसार भी उभर आए हैं, क्योंकि विपक्ष को प्रोटेम स्पीकर के नाम पर आपत्ति है। विपक्षी इंडिया गठबंधन की मानसिकता संसदीय सत्रों में देश-विकास की योजनाओं पर निर्णय में सहभागिता से अधिक सत्ता पक्ष को घेरने एवं सरकार के कामकाज को बाधिक करने की ही अधिक दिखाई दे रही है। यह निश्चित है कि सार्वजनिक जीवन में सभी एक विचारधारा, एक शैली व एक स्वभाव के व्यक्ति नहीं होते। अत- आवश्यकता है दायित्व के प्रति ईमानदारी के साथ-साथ आपसी तालमेल व एक-दूसरे के प्रति गहरी समझ एवं सौहार्द भावना की। जनता के विश्वास पर खरे उतरते हुए नये भारत-सशक्त भारत को निर्मित करने की। राजनीतिक दल द्वंद्व, एक दूसरे की आलोचना एवं विरोध की स्थितियां चुनाव के मैदान तक सीमित करें, उन्हें संसद तक न लाये। संसद में तो सभी दल मिलकर राष्ट्र-निर्माण का काम करें। एक सांसद के साथ दूसरा सांसद जुड़े तो लगे मानो स्वेटर की डिजाईन में कोई रंग डाला हो। सेवा एवं जनप्रतिनिधित्व का क्षेत्र ह्नमोजॉयकह्व है, जहां हर रंग, हर दाना विविधता में एकता का प्रतिक्षण बोध करवाता है। अगर हम सांसदों में आदर्श स्थापित करने के लिए उसकी जुझारू चेतना को विकसित कर सकें तो निश्चय ही आदर्शविहिन असंतुष्टों की पंक्ति को छोटा कर सकेंगे और ऐसा करके ही संसद को गरिमापूर्ण मंच बना पायेंगे।

नरेंद्र मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटे हैं। मोदी का लोकसभा सदस्य एवं प्रधानमंत्री के रूप में यह तीसरा कार्यकाल है। उन्होंने वाराणसी सीट बरकरार रखी, जिसे वे 2014 से जीतते आ रहे हैं। पहली बार नए संसद भवन में शपथग्रहण हुआ। भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसा दूसरी बार है कि जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार शासन करने का अवसर दिया है। ये मौका 60 साल बाद आया है। अगर जनता ने ऐसा फैसला किया है तो उसने सरकार की नियत पर मुहर लगाई है। उसकी नीतियों पर मुहर लगाई है। जनता के फैसले का स्वागत होना चाहिए, लेकिन ऐसा न होना संसद के साथ-साथ भारत के लिये परेशानी का कारण है। आज भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने के साथ अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने की ओर गतिशील है। भारत की बात दुनिया बड़ी ध्यान से सुनती है, वही दुश्मन देश भारत पर तिरछी नजर डालने से पहले सौ बार सोचते हैं, यह भारत की बड़ी ताकत का द्योतक है, जिसे पक्ष एवं विपक्ष मिलकर सहेजे और नये आयाम उद्घाटित करें। इन विषयों पर गंभीर चिन्तन-मंथन की संसद के पटल पर अपेक्षा है। जबकि निश्चित ही छोटी-छोटी बातों पर अभद्र एवं अशालीन शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी, हंगामा और बहिर्गमन आदि घटनाओं का संसद के पटल पर होना दुखद, त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण है। इससे संसद की गरिमा एवं मयार्दा को गहरा आघात लगता है। यह सिलसिला बंद होना चाहिए। जहां विपक्ष का यह दायित्व है कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर सरकार से जवाब तलब करे वहीं सत्तापक्ष की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए तैयार रहे। यदि ऐसा नहीं होता तो यह निराशाजनक ही होगा।

राष्ट्रीय चरित्र का दिन-प्रतिदिन नैतिक ह्रास हो रहा है। हर गलत-सही तरीके से हम सब कुछ पा लेना चाहते हैं। अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए कर्त्तव्य को गौण कर देते हैं। इस तरह से जन्मे हर स्तर के अशालीन एवं असभ्य व्यवहार से राष्ट्रीय जीवन में एक विकृति पैदा होती है, संसद को ही दूषित कर दिया जाता है, अठारहवीं लोकसभा के सभी सत्र इस त्रासदी से मुक्त हो, यह अपेक्षित है। विपक्षी सांसदों की यह कैसी त्रासद मानसिकता है कि वे सब चाहते हैं कि हम आलोचना करें पर काम नहीं करें। हम गलतियां निकालें पर दायित्व स्वीकार नहीं करें। जरूरत इस बात की भी है कि संसद को शुद्ध सांसें मिले, संसदीय जीवन जीने का शालीन, मर्यादित एवं सभ्य तरीका मिले।

# क्रेडिट रेटिंग एजेंसी भारत पर जता रही हैं भरोसा, विश्व में बढ़ रही है आर्थिक साख

वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी स्टैंडर्ड ऐंड पूअर ने हाल ही में भारतीय अर्थव्यवस्था के संबंध में अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक करते हुए कहा है कि वह भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के लिए आर्थिक विकास के विभिन्न पैमानों का व राजकोषीय घाटे से संबंधित आंकड़ों का अध्ययन एवं विश्लेषण कर रही है। यदि दोनों क्षेत्रों में सुधार होता?है, तो भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया जा सकता है। वर्तमान में भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग BBB- है, जो निवेश के लिए सबसे कम रेटिंग की श्रेणी में आती है।

किसी भी देश की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग अपग्रेड होने पर उस देश में विदेशी निवेश बढ़ने लगता है, क्योंकि निवेशकों को इन देशों में पूंजी निवेश तुलनात्मक रूप से सुरक्षित लगता है। साथ ही, ऐसे देशों की कंपनियों के लिए अन्य देशों में पूंजी उगाहना न केवल आसान होता है, बल्कि ऋण पर भी कम ब्याज राशि देनी पड़ती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में नई सरकार का गठन हो चुका है। केंद्र सरकार द्वारा पिछले दस वर्षों के दौरान लिए गए आर्थिक निर्णयों का भरपूर लाभ देश को मिला है। भारत आज विश्व में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। देश में बड़े स्तर पर वित्तीय समावेशन हुआ है। जनधन योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक बैंक बचत खाते खोले जा चुके हैं, जिनमें करीब 2.50 लाख करोड़ रुपये की राशि जमा है। रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। देश में प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर लगभग 2200 अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष तक पहुंच गई है। कुछ राज्यों में किसानों की आय दोगुने से भी अधिक हो गई है। भारत में विदेशी निवेश भी भारी मात्रा में होने लगा है एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में अपनी विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने लगी हैं। भारत में आर्थिक विकास की दर वित्तीय वर्ष 2023-24 में आठ प्रतिशत से भी अधिक रही है।

भारत, अपने आर्थिक विकास की गति को और तेज करने के लिए आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लगातार प्रयास कर रहा है। आधारभूत ढांचे के विकास से उत्पादकता में सुधार हुआ है एवं उत्पादन लागत में कमी आई है। एस ऐंड पी का तो यह भी कहना है कि भारत जिस प्रकार की आर्थिक नीतियों को लागू करते हुए आगे बढ़ रहा है, उससे भारत की आर्थिक विकास दर को लंबे समय तक आठ प्रतिशत से ऊपर बनाए रखा जा सकता है। भारत ने अपने राजकोषीय घाटे पर भी नियंत्रण स्थापित कर लिया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत का राजकोषीय घाटा 17 लाख 74 हजार करोड़ रुपये था, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में घटकर 16 लाख 54 हजार करोड़ रुपये का रह गया है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी जैसे विकसित देश भी अपने राजकोषीय घाटे को कम नहीं कर पा रहे हैं, परंतु भारत ने वर्ष 2023-24 के दौरान यह बड़ी सफलता हासिल की है। केंद्र सरकार ने खर्च पर नियंत्रण किया है एवं अपनी आय के साधनों में अधिक वृद्धि की है। भारत के कुछ राज्यों (पंजाब, पश्चिम बंगाल, केरल आदि) में राजकोषीय घाटे को लेकर चिंता जताई जा रही है, परंतु केंद्र सरकार एवं कुछ अन्य राज्य (उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु आदि) अपने राजकोषीय घाटे को सफलतापूर्वक नियंत्रित कर पा रहे हैं।

राजकोषीय घाटे को कम करने में भारत को इसलिए भी सफलता मिली है कि देश में 20 से अधिक करों को मिलाकर केवल एक कर प्रणाली, वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली (जीएसटी) को लागू किया गया है। आज जीएसटी से भारत को औसत 1.75 लाख करोड़ रुपये की राशि प्रतिमाह अप्रत्यक्ष कर के रूप में प्राप्त हो रही है। प्रत्यक्ष कर के संग्रहण में भी 20 प्रतिशत की वृद्धि दिखी है।?कुल मिलाकर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग का आकलन करने वाले विभिन्न संस्थान भारत की आर्थिक प्रगति को लेकर बहुत उत्साहित हैं एवं उसे अपग्रेड करने पर गंभीरता से विचार करते हुए दिखाई दे रहे हैं। स्टैंडर्ड एंड पूअर ने तो घोषणा भी कर दी है कि आगे आने वाले दो वर्षों तक वह भारत की आर्थिक प्रगति, आधारभूत ढांचे को विकसित करने एवं राजकोषीय घाटे को कम करने संबंधी प्रयासों का विवेचन करेगा। बहुत संभव है कि वह आगामी दो वर्षों में भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड कर दे।

# स्पीलबर्ग की जॉज पर बन रही है डॉक्यूमेंट्री, नैट जियो के शार्क फेस्ट 2025 में जॉज @50 होगा प्रीमियर

हॉलीवुड के महान निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग की फिल्म जॉज 20 जून 1975 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म स्टीवन स्पीलबर्ग की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में से एक है। अब तक शार्क यानि व्हेल मछलियों पर जितनी फिल्में बनी हैं जॉज उन सभी फिल्मों में बेस्ट मानी जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नेशनल योग्राफिक जॉज के 50 साल पूरा करने की खुशी में अब एक डॉक्यूमेंट्री का निर्माण करने जा रहा है। इस डॉक्यूमेंट्री को तात्कालिक नाम जॉज @50 दिया गया है।

जॉज के सम्मान में जॉज @50

नेशनल योग्राफिक हॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म जॉज को सम्मानित करने के लिए एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण करने जा रहा है। यह डॉक्यूमेंट्री स्टीवन स्पीलबर्ग की फिल्म और पीटर बेंचली के सबसे यादा बिकने वाले उपन्यास पर आधारित होगा। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस डॉक्यूमेंट्री का निर्माण नेशनल योग्राफिक स्पीलबर्ग की एंबलिन डॉक्यूमेंट्रीज और नेडलैंड मीडिया के साथ मिलकर करने जा रही है। लॉरेंट बाउजेरो के निर्देशन में बनेगी जॉज @50

जॉज@50 का निर्देशन नेडलैंड मीडिया के लॉरेंट बाउजेरो करने वाले हैं। इस डॉक्यूमेंट्री में जॉज से जुड़े कई दिलचस्प पहलुओं को दिखाया जाएगा जो पहले कभी भी दर्शकों के सामने नहीं आया था। इस डॉक्यूमेंट्री में स्टीवन स्पीलबर्ग और बेंचली के कई इंटरव्यू के हिस्सों को शामिल किया जाएगा जो फिल्म निर्माण और उपन्यास के बारे में होंगे। साथ ही साथ स्पीलबर्ग इस डॉक्यूमेंट्री में फिल्म से जुड़े कई अनदेखे फुटेज और फोटोग्राफी को भी साझा करेंगे। इसके अलावा महासागर के जीवों को कैसे बचाया जाए इस विषय में भी जॉज @50 पर बातें होंगी।

जियो के सिग्नेचर समर इवेंट शार्कफेस्ट 2025 में होगा प्रीमियर

नेट जियो के मुताबिक जॉज@50 समुद्री जीवन संरक्षण और समुद्री नीति अधिवक्ता वेंडी बेंचली के देख-रेख में बनाया जाएगा। जॉज @50 में समुद्र के इन विस्मयकारी प्राणियों के बारे में कई अनसुनी और अनदेखी बातें बताई जाएंगी। इस फिल्म का प्रीमियर 2025 की गर्मियों में होगा। जॉज @50 को नेट जियो जॉज की 50वीं वर्षगांठ पर नेट जियो के सिग्नेचर समर इवेंट शार्कफेस्ट में दिखाएगी। साथ ही साथ इसका प्रसारण डिनी प्लस और हुलु पर भी होगा।

# जूनियर एनटीआर के डांस से प्रभावित हैं जान्हवी कपूर, देवरा में नजर आएगी दोनों की जोड़ी

देवरा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की ये फिल्म लगातार सुर्खियों में है। इस फिल्म में पहली बार ये जोड़ी पर्दे पर नजर आने वाली है, जिसको लेकर दोनों कलाकारों के फैंस काफी उत्साहित हैं। हाल में एनटीआर विदेश यात्रा से वापस आए हैं, वह जान्हवी कपूर के साथ एक गाने की शूटिंग कर रहे थे।

**एनटीआर के डांस से प्रभावित हैं जान्हवी** फिल्म निर्माता भली-भांति जानते हैं कि दोनों कलाकार के फैंस इस जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित है। इसलिए फिल्म में दोनों पर एक रोमांटिक गाना भी फिल्माया जा रहा है, जो इनके फैंस के लिए एक शानदार अनुभव होने वाला है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि जान्हवी एनटीआर की डांसिंग से काफी प्रभावित हुई हैं। अभिनेता ने गाने के डांस स्टेप्स एक बार में ही सीख लिए, जबकि अभिनेत्री को इसके लिए थोड़ा संघर्ष करना पड़ा।

**जान्हवी स्टेप्स तैयार करके आती थीं ताकि समय बर्बाद ना हो** फिल्म के एक गाने को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि जान्हवी खुद एक प्रशिक्षित डांसर हैं, लेकिन फिर भी उन्हें इस गाने के दौरान थोड़ी मुश्किलें हुईं। वहीं, एनटीआर ने उन्हें अपनी डांसिंग स्किल्स से काफी हैरान किया। इसके अलावा रिपोर्ट्स में कहा गया कि सेट पर जान्हवी काफी अछे से तैयार हो कर आती थीं, ताकि वो स्टेप्स सही से कर सकें। इससे सेट पर किसी का समय बर्बाद नहीं होता था।

**27 सितंबर को रिलीज होगी फिल्म बताते** चलें कि देवरा का निर्देशन कोर्टला शिवा कर रहे हैं। यह जनता गराज के बाद उनकी दूसरी फिल्म है। जनता गराज में भी एनटीआर ने काम किया था। अब देवरा में वह एक खतरनाक अवतार में नजर आने वाले हैं। फिल्म में हिंदी फिल्मों के कलाकार सैफ अली खान और जान्हवी कपूर भी दिखेंगे। दोनों की यह डेब्यू तेलुगु फिल्म है। फिल्म की कहानी समुद्र के रास्ते में होने वाली तस्करी पर आधारित हो सकती है। फिल्म इस साल 27 सितंबर को रिलीज हो रही है।

# अनन्या पांडे के पिता का किरदार निभाना चाहते हैं करण जौहर, बोले- मेरे लिए उम्र कोई बाधा नहीं है

फिल्ममेकर करण जौहर को अभिनय करने में शुरुआत से ही दिलचस्पी रही है। हाल ही में उन्होंने अभिनय को लेकर अपनी इछा पर बात की है। उन्होंने कहा कि वह एक फिल्म में अनन्या पांडे के पिता की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। करण ने लगभग 25 वर्षों के काम के बाद खुद को एक सफल फिल्म निर्माता के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने बॉम्बे वेलवेट के साथ अभिनय में भी हाथ आजमाया, मगर इसके बाद उन्होंने फिल्मों में अभिनय नहीं किया। करण जौहर ने एक बातचीत के दौरान कहा, मैं दिल से कह रहा हूं, मैं आपको नहीं बता सकता, उस फिल्म के बाद मुझे एक भी ऑफर नहीं मिला। मुझे लगा कि उस फिल्म के बाद बहुत सारे रास्ते खुल जाएंगे और मुझे फिल्मों के लिए मना करना पड़ेगा। मैं अपनी कंपनी में अपने नाम का सुझाव देने की कोशिश करता हूं। मैं कहता हूं कि यह किरदार बहुत दिलचस्प है, काश इसे मैं निभा पाता, तो निर्देशक विषय बदल देते हैं। उन्होंने कहा, मुझे वाकई बहुत अछे रिव्यू मिले। मैं अपनी तारीफ कर रहा हूं, क्योंकि असल में ऐसा कुछ नहीं हुआ। मुझे कोई बुरी फिल्म भी ऑफर नहीं हुई। मैं वाकई कास्टिंग डायरेक्टर्स से यही कहना चाहूंगा कि मैं वाकई खुद को सुधारना चाहता हूं। मुझे बॉम्बे वेलवेट और इसके प्रयासों पर बहुत गर्व है। मगर मैं एक बड़ा किरदार करना चाहूंगा। प्लीज मुझे कोई भी रोल दें। करण ने कहा, मुझे पता है कि मेरे पास लीड रोल करने के लिए जरूरी योग्यता नहीं है, लेकिन मुझे लेने पर विचार करें। मैं अनन्या पांडे के पिता का रोल करूंगा। मैं उस मुकाम पर पहुंच गया हूं, जहां उम्र कोई बाधा नहीं है। यह एक अहम किरदार है, एक सहायक का किरदार है। मैं इसे करने के लिए तैयार हूं। मैं खुद इसे प्रोड्यूस नहीं करना चाहता क्योंकि इससे मेरी विश्वसनीयता खत्म हो जाएगी। मैं वाकई एक्टिंग करना चाहता हूं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मेरे अंदर एक निराश एक्टर है, जो बाहर आना चाहता है। मैं यह मजाक में नहीं कह रहा हूं। हर दिन मुझे लगता है कि यह आज या कल होगा। मगर ऐसा कभी नहीं होता। मैं एक फिल्म को अपना समय देने के लिए तैयार हूं। मैं इसके लिए पूरी तरह से तैयार हूं। वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म किल रिलीज के लिए तैयार है। ये फिल्म 5 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## रश्मिका मंदाना की द गर्लफ्रेंड पर आया बड़ा अपडेट, फिल्म में कैमियो करेगी यह अभिनेत्री

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपनी आने वाली फिल्म द गर्लफ्रेंड को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। वो इस फिल्म के काम में व्यस्त हैं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म एक थ्रिलर लव स्टोरी होगी। इसी बीच द गर्लफ्रेंड से जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आ रहा है कि इसमें एक और अभिनेत्री छोटी सी भूमिका में नजर आएंगी।

द गर्लफ्रेंड में कैमियो करती हुई दिखेंगी अनु इमैनुएल

अभिनेत्री अनु इमैनुएल द गर्लफ्रेंड फिल्म में कैमियो करती हुई दिखाई देंगी। इस बात की जानकारी खुद निर्देशक राहुल रवींद्रन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दी है। इस खबर से अनु के फैंस का उत्साह बढ़ गया है और वे उनके खास रोल को देखने के लिए उतावले हो उठे हैं। दर्शक यह जानने के लिए उत्सुक है कि आखिर उनकी भूमिका किस तरह की होगी।

**नहीं चली थी अनु इमैनुएल की पिछली फिल्म** अनु इमैनुएल की पिछली फिल्म जापान थी, जिसका निर्देशन राजू मुरुगन ने किया था और इसमें कार्थी ने भी मुख्य भूमिका अदा की थी। इस फिल्म ने टिकट खिड़की पर खराब प्रदर्शन किया था। इससे पहले उन्होंने उर्वसिवो रक्षसिवो फिल्म में काम किया था, जो साल 2022 में रिलीज हुई थी। बता दें कि द गर्लफ्रेंड का निर्माण मास मूवी मेकर्स और धीरज मोगिलिनेनी एंटरटेनमेंट के बैनर तले विद्या कोप्पिनीडी और धीरज मोगिलिनेनी द्वारा किया जा है।

# गायिकी में नाम कमाने के लिए घर से भाग गए थे प्रधानजी, फिर अदाकारी में भी खींच दी लकीर

आज प्रधानजी का जन्मदिन है। समझ तो आप गए होंगे। जी हां, वहीं प्राइम वीडियो की वेब सीरीज पंचायत के प्रधान जी। यह रघुबीर यादव के अभिनय का ही कमाल है कि लोग उन्हें उनके किरदार के नाम से तुरंत पहचानते हैं। रघुबीर यादव यूं तो सिनेमा की दुनिया में लंबे वक्त से सक्रिय हैं। कई फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। लेकिन, पंचायत से उन्हें जो पहचान मिली है, वह अलग है। टेक्निकली सीरीज में वे प्रधान नहीं है, बल्कि उनकी पत्नी प्रधान हैं और वे प्रधानपति हैं। लेकिन, वे मशहूर प्रधानजी के रूप में हुए हैं। आज उनके स्पेशल दिन पर आइए जानते हैं उनके बारे में... अभिनेता रघुबीर यादव का जन्म मध्य प्रदेश के जबलपुर में हुआ था। उन्हें बचपन से ही नाटक और अभिनय में दिलचस्पी रही है। इसके अलावा गायिकी की तरफ भी उनका झुकाव रहा है। अगर किसी चीज में दिलचस्पी नहीं थी तो वह थी पढ़ाई-लिखाई। रघुबीर पढ़ाई में अछे नहीं थे। घरवालों ने 10वीं के बाद उन्हें साइंस दिला दी थी, जिसके बाद वह फेल हो गए। फेल होने के बाद दोस्त के कहने पर वह घर से भाग गए थे। कई मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा भी है कि उन्हें गायन में दिलचस्पी थी, जिसका घर में विरोध हुआ और वे गायिकी में नाम कमाने के लिए घर से भाग गए। भागने के बाद उन्होंने ढाई रुपए में नाटक कंपनी में काम किया। एक्टर के मुताबिक वह घर से दो तीन बार भाग चुके हैं, जब पैसे खत्म हो जाते थे वह घर वापस लौट आते थे।

रघुबीर यादव ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से एक्टिंग का कोर्स किया है। थिएटर की दुनिया में भी वे काफी सक्रिय हैं। करियर की बात करें तो रघुबीर ने साल 1985 में आई फिल्म मैसी साहब से सिनेमा की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद साल 1988 में फिल्म मेकर मीरा नायर की सलाम बॉम्बे में नजर आए। अभिनय की दुनिया में रघुबीर यादव को पहचान टीवी सीरियल मुंगेरी लाल के हसीन सपनों से मिली। साल 1990 में यह टीवी शो दूरदर्शन पर प्रसारित हुआ करता था। इसके बाद वह सीरियल मुल्ला नसीरुद्दीन में नजर आए। फिल्मों में रघुबीर यादव ने कई बड़े एक्टर्स के साथ काम किया था। दिवंगत एक्टर इरफान खान के साथ गहरी दोस्ती थी। दोनों ने फिल्म सलाम बॉम्बे में एक साथ काम किया था। रघुबीर, आमिर खान अभिनीत फिल्म लगान का भी हिस्सा रहे। इस फिल्म में उन्होंने भूरा का किरदार निभाया था। फिल्म में उनकी एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई थी। अभिनेता फिल्मों में ही नहीं ओटीटी पर भी छा गए। लोकप्रिय वेब सीरीज पंचायत में उन्होने प्रधानजी की भूमिका निभाई। सीरीज में उनके किरदार की काफी सराहना हुई। इस सीरीज के तीन सीजन आ चुके हैं और हर सीजन में रघुबीर यादव ने अपनी अदाकारी से नई लकीर खींची है। गायन में उनकी दिलचस्पी शुरू से काफी यादा रही है। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा था कि वह रात को कव्वाली सुनने के लिए घर से चुपके से भाग जाया करते थे। फिल्म पीपली लाइव में रघुबीर यादव का गाया गाना 'महंगाई डायन खाए जात है' खूब लोकप्रिय हुआ। इसके अलावा भी रघुवीर ने कई फिल्मों के गाने गाए व कंपोज किए हैं।

# लंदन में क्रिकेट मैच खेलते नजर आए शाहरुख-सुहाना, तस्वीर हुई वायरल

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों में से एक शाहरुख खान अपनी अदाकारी से करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करते हैं। पिछले साल उनकी तीन फिल्में रिलीज हुई थीं, तीनों ही बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त सफलता हासिल करने में कामयाब रहीं। इस फिल्म के बाद अभिनेता फिलहाल अपना ज्यादातर समय परिवार के साथ बिता रहे हैं। किंग खान इन दिनों लंदन में अपने परिवार के साथ छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे हैं। हाल ही में उन्हें एयरपोर्ट पर अबराम खान के साथ लंदन के लिए रवाना होते देखा गया था। इस बीच अभिनेता की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है।

फोटो में शाहरुख पिकनिक का आनंद लेते हुए क्रिकेट खेलते नजर आ रहे हैं। तस्वीर में उनकी बेटी को बैटिंग करते हुए देखा जा सकता है। वहीं, किंग खान कैजुअल कपड़ों में सिर पर टोपी लगाए हुए फील्डिंग करते नजर आ रहे हैं। फोटो में अन्य लोग भी नजर आ रहे हैं। गौरी की मां सविता छिब्बर को बेंच पर बैठे हुए क्रिकेट का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख अपनी आगामी फिल्म किंग की शूटिंग शुरू करने के लिए लंदन पहुंचे हैं। इस प्रोजेक्ट को लेकर लंबे समय से चर्चा चली आ रही है। पर्दे पर पहली बार अभिनेता इस फिल्म के जरिए अपनी बेटी के साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान सुजॉय घोष के हाथों में है। सुहाना खान की यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने द आर्चीज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। फिल्म का निर्देशन जोया अख्तर ने किया था। इसे सीधा ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था।

# फीस में कटौती के लिए तैयार रहते हैं अनिल कपूर, निर्माता तंग न हो, इसलिए फ्री में भी किया काम

बॉलीवुड अभिनेता और बिग बॉस ओटीटी 3 के होस्ट अनिल कपूर ने फिल्मी कलाकारों द्वारा ली जाने वाली मोटी फीस को लेकर बातचीत की है। इन दिनों इस मामले पर कई निर्माता और निर्देशकों ने अपनी राय रखी है। इनमें करण जौहर और अनुराग कश्यप भी शामिल हैं और अब अनिल कपूर का नाम भी उन लोगों की सूची में जुड़ा गया है।

**यादा फीस के कारण बजट पर पड़ता है असर** एक हालिया साक्षात्कार में, अनिल कपूर ने कहा कि फिल्म निर्माता यादा फिल्में बना सकें, इसके लिए जरुरी है कि कलाकारों, तकनीकी काम करने वालों और खास तौर से सितारों को अपनी फीस और माँगों के बारे में सोचना चाहिए। अनिल कपूर बधाई हो बधाई, गांधी माई फादर, आयशा, वीरे दी वेडिंग और खूबसूरत समेत कई फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं और आर्थिक तंगी से दो-चार हो चुके हैं। अनिल ने कहा कि यादा फीस के कारण बजट पर काफी असर पड़ता है और वो बतौर निर्माता इस स्थिति का सामना कर चुके हैं।

करण जौहर का जिक्र करते हुए अनिल कपूर ने कहा कि उन्होंने इन दिनों कलाकारों द्वारा ली जा रही यादा फीस के बारे में जो कहा उससे वो सहमत हैं। इसके साथ ही अनिल ने कहा कि उनके फिल्म निर्माता पिता, उनके परिवार और उन्होंने खुद भी बढ़िया फिल्म बनाने की कोशिश में मुश्किलों का सामना किया है। कलाकारों की फीस इतनी यादा थी कि जैसा काम करना चाहते थे, उसके लिए पैसा लगाना लगभग असंभव हो गया था।

**मुफ्त में की हैं कई फिल्में** अनिल कपूर ने कहा कि उन्होंने बिना पैसा लिए भी फिल्में की है और वो हमेशा से फीस में कटौती के लिए तैयार रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई बार तो ऐसा भी हुआ है कि जब उन्होंने निर्माताओं का समर्थन करने के लिए एक भी रुपया फीस के तौर पर नहीं लिया। अनिल ने बताया कि कई कलाकार ऐसा कर चुके हैं।

# कल्कि 2898 एडी की रिलीज से पहले रामचरितमानस का पाठ कर रहे हैं बिग बी, साझा की तस्वीर

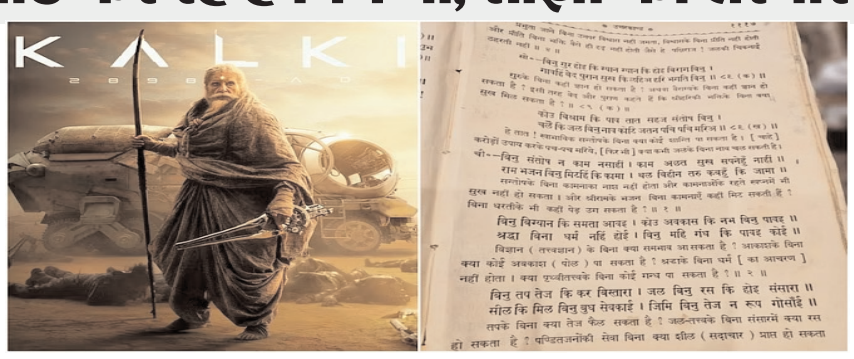


प्रभास और दीपिका पादुकोण की आगामी फिल्म कल्कि 2898 एडी इन दिनों चर्चाओं में बनी हुई है। इस फिल्म में कमल हासन और अमिताभ बचन भी इस फिल्म अहम किरदार में नजर आएंगे। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। ये फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बिग बी ने हाल ही में खुलासा किया है कि वह फिल्म की रिलीज से पहले रामचरितमानस का पाठ कर रहे हैं।

**बिग बी में साझा की तस्वीर** अमिताभ बचन ने सोमवार रात को अपने ब्लॉग पर एक तस्वीर साझा की है। इसमें उन्होंने रामचरितमानस के पेज की एक तस्वीर साझा की है। तस्वीर साझा करते हुए बिग बी ने लिखा, हम युगों के बाद समय में हैं और युगों की आयु पर नियंत्रण होना शुरू हो रहा है। इसकी सिफारिश और अभ्यास सभी जगह किया जाता है। इसलिए जल्दी उठने वाले व्यक्ति का प्रभाव प्रयोग किया जाना चाहिए। इससे परिणाम वापस आ जाएंगे।

**अमिताभ बचन ने समझाया पाठ का मतलब** उन्होंने इसमें उस पैरा का भी अर्थ जोड़ा और लिखा, ईश्वरत्व को जाने बिना, कोई विश्वास नहीं है। विश्वास के बिना कोई प्रेम नहीं है और प्रेम के बिना भक्ति कैसे हो सकती है। पानी की प्रतिबिंबित चिकनाई कभी शांत या स्थिर नहीं होती है। बिना गुरु के कोई शिक्षा नहीं हो सकती, बिना एकांत, शांति के क्या शिक्षा हो सकती है। वेद और पुराण कहते हैं कि हरि की प्रार्थना भक्ति के बिना क्या शांति और स्थिरता हो सकती है। क्या पानी में डूबे बिना नाव चल सकती है, क्या धरती के बिना पेड़ उग सकते हैं और ऐसे कई उदाहरण हैं।

**अश्वत्थामा के किरदार में दिखेंगे बिग बी** बिग बी ने आगे लिखा, सर्वशक्तिमान की उपस्थिति और प्रार्थनाओं को दर्शाने के लिए, जिसके बिना बहुत कुछ संभव नहीं है। मैं शांति और स्थिरता के लिए प्रार्थना करता हूं, जो कोई भी इसे सुनता है, उसे फल मिले। अमिताभ बचन ने कल्कि 2898 एडी में अश्वत्थामा का किरदार निभाया है। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

# प्रो. रश्मि सिंह बनी अंतर्राष्ट्रीय क्षत्रिय वीरांगना फाउंडेशन, मध्य प्रदेश की कार्यकारी अध्यक्ष

**फाउंडेशन के संस्थापक डा एम एस सिंह ने कहा, रश्मि सिंह के नेतृत्व में संगठन मध्यप्रदेश में नई बुलंदियां हासिल करेगा**

**उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ।** सतना, अंतर्राष्ट्रीय क्षत्रिय वीरांगना फाउंडेशन के द्वारा सतना निवासी श्रीमती रश्मि सिंह (पति श्री प्रशांत सिंह) को प्रोन्नति देते हुए उन्हें संगठन की मध्य प्रदेश राज्य इकाई का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया है द्य इससे पहले वे रीवा संभाग की अध्यक्ष थी द्य कंप्यूटर साइंस में पीएचडी की योग्यता रखने वाली श्रीमती रश्मि सिंह गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज, सतना में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर सेवारत हैं और

सामाजिक गतिविधियों में भी बढ़ चढ़कर भागीदारी करती हैं । अंतरराष्ट्रीय क्षत्रिय वीरांगना फाउंडेशन के संस्थापक सह मुख्य संरक्षक डा एम एस सिंह मानस ने वर्तमान कार्यकाल के लिए यह मनोनयन करते हुए यह विश्वास प्रकट किया है की रश्मि सिंह के नेतृत्व में संगठन मध्यप्रदेश में नई बुलंदियां हासिल करेगा द्य रश्मि सिंह को मध्य प्रदेश वीरांगना का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर उनके परिवारजनों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है ।

# मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष बने अनमोल मिश्रा

**प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया के निर्देशन में अनमोल मिश्रा को किया गया नियुक्त**

**उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ** सतना, मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ ने अनमोल मिश्रा को ब्लॉक सोहावल (कोठी) का अध्यक्ष बनाया है। संघ के प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया के निर्देशन, कार्यकारी अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी के मार्गदर्शन में एवं संभागीय अध्यक्ष अखिलेश पांडेय की सहमति से जिला महासाचिव मुकेश मिश्रा एवं जिलाध्यक्ष वरुण शर्मा के नेतृत्व में अनमोल मिश्रा को सोहावल (कोठी) ब्लॉक का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अध्यक्ष बनने पर श्री अनमोल मिश्रा ने कहा कि पत्रकारों के हित और अधिकारों के लिए हम हमेशा खड़े रहेंगे, साथ ही श्रमजीवी पत्रकारों को एकजुटता बनाए रखने का आव्हान किया, ताकि पत्रकारिता

के नाम पर भयादोहन करने वाले पत्रकारों को प्रोत्साहन न मिले, साथ ही ब्लॉक सोहावल (कोठी) के अध्यक्ष अनमोल मिश्रा ने संघ के प्रांताध्यक्ष सलभ भदौरिया, कार्यकारी अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी, संभागीय अध्यक्ष अखिलेश पांडे, जिला महासचिव मुकेश मिश्रा, एवं जिला अध्यक्ष वरुण शर्मा के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ ब्लॉक सोहावल (कोठी) का अध्यक्ष बनने के बाद अनमोल मिश्रा ने अपने ब्लॉक इकाई की कार्यकारिणी घोषित की है जिसमें बृजेश गर्ग संरक्षक, राजेश तिवारी उपाध्यक्ष, विकास पांडे सचिव, चंद्र प्रकाश तिवारी कोषाध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य में लवकेश सिंह, प्रशांत पांडे,आदित्य मिश्रा, दुर्गेश त्रिपाठी, अरविंद साहू, राजेश्वर पांडे, रोहित सिंह, अरविंद सिंह, गणेश त्रिपाठी, शुभम त्रिपाठी, आशीष लखेरा शामिल हैं। इस अवसर पर प्रॉमिस त्रिपाठी, उमेश सिंह पप्पू, सहेंद्र सिंह, सहित सभी ने पदाधिकारियों को बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया है।

# समाज की सेवी के लिए आगे आये अमेरिका के राकेश शर्मा

**श्री गुरु ब्रह्मानंद सरस्वती सेवा ट्रस्ट को समाजसेवी राकेश शर्मा की ओर से 40 क्विंटल भूसे का सहयोग किया गया**

**गौरव सिंघल। सिटी चीफ।** सहारनपुर । देवबंद, श्री गुरु ब्रह्मानंद सरस्वती सेवा ट्रस्ट को प्रसिद्ध समाजसेवी राकेश शर्मा अमेरिका की ओर से 40 क्विंटल भूसे का सहयोग किया गया। जिसे श्री गुरु ब्रह्मानंद सरस्वती गौ सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारी ने सरकार द्वारा निर्मित गौशाला गुनारसा गांव के प्रधान धर्मेंद्र को दिया। श्री गुरु ब्रह्मानंद गौ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष हिमांशु भारद्वाज, सचिव बसंत भारद्वाज, सदस्य नेमीश शर्मा ने प्रसिद्ध समाजसेवी राकेश शर्मा का आभार व्यक्त किया एवं कहा कि राकेश शर्मा हमेशा समाज सेवा में सबसे आगे रहते हैं और गौ सेवा करते रहते हैं। उनका ट्रस्ट की ओर

से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया। युवा ब्राह्मण नेता रोहित कौशिक ने कहा कि समाजसेवी राकेश शर्मा ने जो सहयोग किया है वह बहुत ही सराहनीय है। डॉ. विनय कुमार ने भी आज गौशाला में अपनी सैलरी से पांच मेट भेंट किए हैं। ट्रस्ट ने उनका भी धन्यवाद किया है। आज गौ माता की सेवा में आदित्य त्यागी, विराट राठी, नेमी शर्मा, धर्मेंद्र प्रधान आदि उपस्थित रहे।

**देवबंद में भाजपाइयों ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि श्रद्धा के साथ मनाई**

**डा. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने का लिया संकल्प**

**चन्दन कुमार चौबे। सिटी चीफ।** सहारनपुर। देवबंद, देवबंद में भाजपाइयों ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि श्रद्धा के साथ मनाई। इस दौरान डा. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। भाजपा के नगर कार्यालय पर हुए कार्यक्रम में भाजपा नगराध्यक्ष अरुण गुप्ता ने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक व्यक्ति ही नहीं बल्कि एक विचारधारा थे। उन्होंने कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीतियों को देखते हुए उनसे अलग होकर जनसंघ की स्थापना की थी। उन्होंने नेहरू की नीतियों का विरोध करते हुए एक देश दो निशान दो विधान नहीं चलेंगे का नारा दिया। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 के विरोध में देशव्यापी आंदोलन चलाया। उनके बलिदान का ही परिणाम है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रहित में अनुच्छेद 370 को समाप्त कर जम्मू कश्मीर को देश की मुख्यधारा से जोड़ा है। इस मौके पर राहुल शर्मा, रामकुमार भटनागर, दीपकराज, नितिन सैनी, आलोक खटीक, कुलदीप सैनी, राममोहन सैनी, जोगेंद्र जाटव, रंजीत वाल्मीकि, शुभम पुरी, रेनू दत्ता, अनुपम दत्ता, डा. अरविंद जौहरी, रविंद्र चौधरी आदि मौजूद रहे।

**रणधीर चदेल गुना मध्य प्रदेश नाम बदलकर युवती से सोशल मीडिया पर दोस्ती कर लवजिहाद में फंसाया, कोतवाली में हुआ मामला दर्ज**

# पहचान उजागर हुई तो वीडियो वायरल करने की धमकी देकर किया कई बार दुष्कर्म

**रणधीर चंदेल। सिटी चीफ।** गुना, गुना शहर में लव जिहाद का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपित युवक ने पहले अपनी असली पहचान छुपाकर उसके साथ इंटरनेट मीडिया पर दोस्ती की। इसके बाद उसने धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना लिया। ब्लैकमेल करते हुए उसका यौन शोषण करने लगा। युवक ने उसके साथ मारपीट करते हुए धर्म परिवर्तन का दबाव भी बनाया। शिकायत मिलने के बाद कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म, मारपीट समेत कुछ अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। कोतवाली थाना में दर्ज कराई शिकायत में युवती ने बताया कि करीब दो साल पहले इंस्टाग्राम पर उसकी भय्यू नाम के युवक से दोस्ती हुई थी। इसके बाद दोनों में बातचीत होने लगी। युवती का आरोप है कि युवक ने मेल-मिलाप के दौरान उसके कुछ फोटो खींच लिए थे। इसके बाद से वह उसे परेशान और ब्लैकमेल करने

लगा। फरियादिया का कहना है कि मूल रूप से वह एक गांव की निवासी है। छोटा भाई पढ़ाई करता है और मां गृहणी है। पिता की तबीयत खराब रहती है। ऐसे में गुना शहर में किराए से मकान लेकर एक निजी संस्थान में नौकरी कर परिवार चलाती है। युवक को जब पता चला कि वह किराए के मकान में रहती है तो करीब एक साल पहले वह उसके घर पर पहुंचा और उसे ब्लैकमेल कर दुष्कर्म किया। दूसरी बार में उसने अश्लील वीडियो भी बना लिए। वह युवती का मोबाइल छीन कर स्टेटस पर अपने और युवती के फोटो भी माय हस्बैंड लिखकर डालता था, ताकि उसे बदनाम कर सके और समाज के लोग देख सकें कि वह एक मुस्लिम युवक के साथ है।

**पहचान उजागर होने के बाद की मारपीट** युवती ने बताया कि जब युवक की दूसरी आईडी, जिसमें अरशद नाम लिखा था, देखी तब युवक के मुस्लिम होने का पता चला। इस पर युवती ने झूठ बोलने का कारण पूछा और उससे दूर रहने लगी। इस पर करीब तीन महीने से युवक लगातार उसे परेशान कर रहा था। वह उसके काम करने के स्थल भी पहुंच जाता था और मारपीट करता था। 4-5 दिन पहले ही रात में हंगामा कर मारपीट की। इस दौरान साथी कर्मचारियों ने युवती की मदद की और उसे पुलिस में शिकायत की सलाह दी। इसके बाद युवक के खिलाफ केस शनिवार रात 11 बजे हिंदू संगठनों की मदद से मामला दर्ज कराया है। युवक खुद जीनघर क्षेत्र में किराए से रहता है और बेल्डिंग का काम करता है। धर्म परिवर्तन के लिए भी दबाव बनाने का आरोप लगाया है।

## जिलाधिकारी ने राजस्व कार्यों की समीक्षा

**अंश निर्धारण के लिए गांव में लगाएं चौपाल, धारा 80 के वाद 45 दिन के अंदर करें निस्तारित - डीएम डा.दिनेश चन्द्र**

**गौरव सिंघल। सिटी चीफ।** सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉक्टर दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में राजस्व कार्यो की समीक्षा समीक्षा की गयी। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि धारा 80 के वाद को 45 दिन की सीमा के अंदर ही निस्तारित करना सुनिश्चित करें। धारा 24 और 116 में पैमाइश करा कर जल्द से जल्द उसका निस्तारण करें। उन्होंने सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार को निर्देशित किया कि धारा 34 के अविवादित प्रकरणों को जल्द से जल्द निस्तारित करें और विवादित प्रकरणों में प्रतिदिन डेट लगाकर उन्हें निस्तारित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि अंश निर्धारण के लिए गांव में चौपाल लगाई जाए। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने कहा कि अंश निर्धारण में रामपुर मनिहारान वर्तमान में 82 प्रतिशत से अधिक हो गया है लेकिन बेहट, नकुड़, सदर और देवबंद को अंश निर्धारण में अधिक से अधिक कार्यवाही करने की जरूरत है। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि 30 जून तक अंश निर्धारण के कार्य में अच्छी प्रगति नहीं करने वालों के विरुद्ध प्रतिकूल संज्ञान लिया लायेगा। इसके लिए एसडीएम और तहसीलदार उत्तरदाई होंगे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी न्यायिक रमेश यादव समस्त एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

# सिलसिलेवार हुई हत्याओं से दहला सतना,कानून व्यवस्था पर सवाल....?

**एक पखवाड़े के दौरान हुई आधा दर्जन हत्याएं**

**उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ।** सतना, जिले में एक पखवाड़े के दौरान सिलसिलेवार हुई हत्याओं से सतना दहल उठा है।वहीं जिले में करीब 15 दिन के दरमियान आधा दर्जन हुई हत्याओं को लेकर कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।

गौरतलब हो कि जिले में माह मई जून से हत्याओं का जो सिलसिला शुरू हुआ वह थमने का नाम नहीं ले रहा है। औसतन दो व तीन दिन के अंतराल में हर रोज एक हत्या हो रही है।अभी यह सिलसिला थमा नहीं है। साल का मई जून महीना पुलिस के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। इस तरह की सिलसिलेवार घटनाएं जिले में कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। विगत 15 दिनों में सिलसिलेवार आधा दर्जन हुई निर्मम हत्याओं को लेकर अब जिले की कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह खड़ा होने लगा है। विपक्षी दलों का आरोप है कि जिले के साथ-साथ प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह से अस्त-व्यस्त एवं पस्त हो गयी है। जिले में अपराधी और माफिया का विस्तार हो चुका है। कई जगह खुलेआम अपराध हो रहे तो कई जगह माफियाओं का बोलबाला है।वही आरोपियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। यही कारण है कि आरोपियों में अब पुलिस का डर नहीं रह गया है। लिहाजा बेखौफ होकर आरोपी घटना को अंजाम दे रहे हैं। फिलहाल जिले में लगातार हो रही हत्या की घटनाओं को लेकर एक चिंता का विषय बनता जा रहा है। हालांकि पुलिस सभी अंधी हत्याओं को सुलझाने का दावा कर रही है, किन्तु सवाल उठ रहा है कि हत्या का यह सिलसिला कब थमेगा.....?

# मुहर्रम एवं कांवड यात्रा की तैयारियो के संबंध में शांति समिति की हुई बैठक

**अधिकारी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से ही करें पूर्ण :- डीएम डा.दिनेश चन्द्र**

**गौरव सिंघल। सिटी चीफ ।** सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में आगामी मुहर्रम एवं कांवड यात्रा के पर्व पर शांति एवं कानून व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न समुदायों के संभ्रांत नागरिकों के साथ शांति समिति की बैठक की गयी। बैठक में समिति के सदस्यों से समस्याओं एवं उनके निराकरण संबंधी सुझाव लिए। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र कहा कि ड्यूटी पर तैनात सभी मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारी अपनी अपनी जिम्मेदारियों का अच्छे से निर्वहन करेंगे। प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी के पास शिविर संचलाको के नंबर अवश्य होना चाहिए। सभी अधिकारी कर्मचारी अपनी ड्यूटी को प्राथमिकता से करें, किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य ना होगी। जनपद में मंदिरों की साफ-सफाई के साथ पथ प्रकाश व्यवस्था का विशेष ध्यान दिया जाए। विद्युत विभाग ध्यान रखें कि जल चढ़ाने के लिए जाने वाले मार्गों पर विद्युत तार यदि जर्जर हैं तो उन्हें बदला जाए या फिर सुनिश्चित किया जाए कि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न होने पाए। इसके साथ ही रास्ते में पडने वाले ट्रान्सफरों की बेरीकेटिंग करना सुनिश्चित करें। इसी के साथ विद्युत खम्भों की मजबूती से प्लास्टिक टेपिंग की जाए। डीएम डॉ0 दिनेश चन्द्र ने कहा कि ग्राम स्तर पर लेखपाल एवं सचिव से सहायाता लें। संवेदनशील क्षेत्रों के प्रबुद्धजनों से संवाद बनाकर रखें जिससे यात्रा में आने वाली किसी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। इसके साथ ही अपने क्षेत्रों में निरीक्षण कर चल रही तैयारियों कों परखते रहें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि मिशन मोड में कार्य करते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करना सुनिश्चित करें जिससे कांवड यात्रा सकुशल शांतिपूर्वक सम्पन्न हो सकें। सभी सम्बन्धित विभाग शिविरों के लगाने के लिए परमिशन देने में आयोजकों को बेवजह परेशान न करें। उन्होंने सभी शिविर आयोजकों से अपील करते हुए कहा कि शिविरों में प्लास्टिक के समान का प्रयोग न किया जाए। खाने पीने के बर्तनों में स्टील या कागज के बर्तन प्रयोग में लाए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि किसी शिविर आयोजक को बर्तनों की आवश्यकता हो तो वह अवगत करा सकते है। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र की प्लास्टिक मुक्त कांवड यात्रा का

सभी कांवड संघ के पदाधिकारियों ने एक सुर में समर्थन किया। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने निर्देश दिये कि कांवड मार्गों पर शिविरों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु आकस्मिक स्थिति में वाहन में जनरेटर की व्यवस्था, कांवड मार्गों के पास से झाडियों की कटाई एवं पेडों की छंटाई, जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता, एम्बुलेंस की व्यवस्था, मार्गों का गड्ढामुक्त करने, सडकों के डिवाईडरों पर रिफलेक्टर लगवाने, नहरों पर गहरे स्थानों पर संकेतक लगवाने, महिला एवं पुरूषों के लिए अलग-अलग मोबाइल शौचालयों की व्यवस्था करने, दुकानों पर रेट लिस्ट चस्पा करवाना सुनिश्चित किया जाए। डीएम डा.दिनेश चन्द्र ने कहा की साम्प्रदायिक सौहार्द को बनाये रखते हुये पर्व को रीत-रिवाज के साथ मनायें। यह क्षेत्र हमेशा से आपसी भाईचारा व गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल रहा है। सभी धर्म शांति का संदेश देते हैं। अगर कहीं पर कोई समस्या या विवाद है तो जिला प्रशासन को अवगत कराएं। समय रहते ही समस्या का उचित निस्तारण किया जाएगा। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे कि एक दूसरे की धार्मिक भावनाएं आहत हों। ताजिया परंपरागत मार्गों पर से ही निकाले जाएं। ताजिया की ऊंचाई मानक के अनुरूप रहे। अनावश्यक रूप से कोई नई परंपरा ना डालें। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे किसी भी समुदाय की भावनायें आहत हों। जिला मजिस्ट्रेट डा.दिनेश चन्द्र ने नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को साफ सफाई व्यवस्था एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए। जुलूस के दौरान किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न न हो, विद्युत विभाग तारों को ताजियों की ऊँचाई के हिसाब से दुरूस्त कर लें। साथ ही पथ प्रकाश की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। डीएम डॉ0 दिनेश चन्द्र ने नगर आयुक्त को निर्देश दिए कि जुलूस वाले मार्गों का निरीक्षण कर सुनिश्चित किया जाए कि कहीं पर भी गड्ढे और जलभराव की स्थिति न हो। संबंधित सभी अधिकारी समिति के सदस्यों से निरंतर सम्पर्क में रहें। संबंधित क्षेत्रों के उपजिलाधिकारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ ही समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित करें।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 विपिन ताडा ने कहा कि आयोजक इस बात का ध्यान रखें कि त्यौहारों को इस प्रकार से मनाया जाए कि किसी अन्य को असुविधा न हो। उन्होंने सभी कांवड संघ के पदाधिकारियों को कहा कि किसी भी कार्य को करने से पहले अनुमति अनिवार्य रूप से लें जिससे जिला प्रशासन समय से आपका सहयोग कर सके। इसी के साथ शिविरों में सुरक्षा के दृष्टिगत सीसीटीवी कैमरे लगाने की बात कही जिससे सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबन्द हो सके। उन्होंने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्यौहारों से पहले संबंधित क्षेत्रों का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लेकर समय रहते कमियों को पूर्ण कर लिया जाए। इस अवसर पर नगर आयुक्त संजय चौहान, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, एसपी यातायात सिद्धार्थ वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, पूर्व विधायक सुरेन्द्र कपिल, दिनेश सेठी, सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन राजेश जैन, सरफराज खान, जामा मस्जिद प्रबंधक मौलवी फरीद, ब्रित चावला, आमिर खान, डॉ0 अतहर इकबाल जैदी सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण तथा शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

# मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में वीरांगना रानी दुर्गावती के 461 वें बलिदान दिवस पर पुण्यतिथि समारोह संपन्न

## रानी दुर्गावती के जीवन से संबंधित विविध पक्षों को सामने लाने के लिये 5 लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान करने का लिया निर्णय - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**जबलपुर** जबलपुर एयरपोर्ट का नाम रानी दुर्गावती के नाम पर किये जाने के लिये भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा जायेगा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव जबलपुर स्थित मध्य प्रदेश के सबसे बड़े फ्लाइओवर का नाम रानी दुर्गावती के नाम पर किए जाने मुख्यमंत्री ने की घोषणा। समूचे भारतवर्ष को गौरवान्वित करने वाली अद्भुत व्यक्तित्व वीरांगना रानी दुर्गावती का शासन काल अपनी प्रजा की भलाई के लिए जाना जाता है। उनके द्वारा सुशासन के सभी मापदंड पूरे किए गए, जिसमें लोक कल्याणकारी राज्य की कल्पना परिलक्षित होती है। उन्होने अपने राज्य की रक्षा करने के लिए न सिर्फ़ अपने बलबूते पर 52 युद्ध लड़े बल्कि मुगलकाल के शासक अकबर को भी तीन बार हराया। विगत 500 वर्ष का इतिहास रानी दुर्गावती के अदम्य शौर्य एवं साहस का प्रतीक है। यह उद्बोधन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड जबलपुर में रानी दुर्गावती के 461 वें बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित पुण्य स्मरण समारोह में कहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुये कहा कि हमारे लिए यह गर्व की बात है कि वीरांगना रानी दुर्गावती ने अपने पराक्रम से शेरशाह सूरी एवं मालवा के शासक बाज बहादुर के भी दाँत खट्टे किए। उनके इस शौर्य एवं पराक्रम को दुनिया के सामने लाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुग़ल सम्राट अक़बर से युद्ध के दौरान रानी दुर्गावती की दूरदर्शिता का वर्णन भी किया। उन्होने कहा कि रानी दुर्गावती ने यह पहले ही भाँप लिया था कि अक़बर द्वारा युद्ध में तोपों का प्रयोग किया जा रहा है इसके लिए उससे लड़ने में हमें रात्रि में भी युद्ध करना चाहिए। डॉ. यादव ने कहा कि रानी दुर्गावती एक रानी के साथ ही माँ के रूप में पूजी जाती है। क्योंकि उन्होंने समाज के सभी वर्गो के लिये कल्याणकारी योजनायें बनाई। उनके सुशासन जनोन्मुखी शासन व्यवस्था में 52 तालाबों का निर्माण कर जल प्रबंधन के नवाचार कराया। अपने शासन काल में अपनी प्रजा एवं अपने सहयोगियों का भी ख़याल रखा। इस कड़ी में उन्होंने अपने सहयोगी के नाम से अधारताल, सहेली के नाम पर जबलपुर में चेरीताल बनवाया। साथ ही अनेक जल संरचनायें बनवाई। उनके द्वारा बनाये ताल, जल संरचनायें ही नहीं बल्कि एक जीवन है। उन्होंने बताया कि जल गंगा संवर्द्धन अभियान के तहत तालाबों की सफ़ाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य समूचे प्रदेश में 30 जून तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय इतिहास में उनके द्वारा किए गए इन कार्यों को जो अहमियत मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिली। भारतीय संस्कृति सभ्यता और परंपराओं के सम्मान व रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान करने वाली रानी दुर्गावती के इस योगदान के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने शहडोल आकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और यहां प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उनकी 500वीं जन्म जयंती को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है। उनके प्रति सम्मान और इस परम्परा को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार द्वारा पहली कैबिनेट जबलपुर में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। रानी दुर्गावती के जन्मदिवस 5 अक्टूबर 2024 तक यह जन्म शताब्दी के कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे जिसके अंतर्गत हर माह आयोजन भी किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि सरकार आदिवासी वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। आदिवासी वर्ग से संबंध रखने वाली देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू महिला शक्ति का प्रतिनिधित्व कर रही है। रानी दुर्गावती के जीवन से संबंधित विविध पक्षों को सामने लाने के लिये 5 लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान करने का भी निर्णय लिया है। वीरांगना रानी दुर्गावती की वीरगाथा को पाठ्यक्रम में शामिल करने के साथ ही विभिन्न सेमिनार कार्यक्रमों के माध्यम से इनके जीवन को समाज के सामने लाया जाएगा। इसके अलावा मध्य प्रदेश के सबसे बड़े फ्लाइओवर का नाम रानी दुर्गावती के नाम पर किए जाने की घोषणा की। साथ ही जबलपुर स्थित अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नाम भी रानी दुर्गावती के नाम पर किये जाने के लिये भारत सरकार को उक्त आशय का प्रस्ताव भेजा जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर के कलाकारों द्वारा रानी दुर्गावती के जीवन चरित्र की अद्भुत प्रस्तुति करने पर कलाकारों को धन्यवाद भी प्रेषित किया। उन्होंने रानी दुर्गावती के जीवन चरित्र से जुड़े प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर कहा कि महारानी दुर्गावती बावन गढ़ों की मालकिन थीं पर अपनी प्रजा के लिए सिर्फ मां थी। इतिहास में उनके साथ न्याय नहीं हुआ लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने शहडोल जिले में आयोजित भव्य कार्यक्रम में न केवल वीरांगना रानी दुर्गावती को श्रद्धांजलि दी बल्कि उनकी 500 वीं जयंती को धूमधाम से मनाने का निर्णय भी लिया। मंत्री श्री सिंह ने रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति पर खुशी जाहिर की। श्री सिंह ने कहा कि रानी दुर्गावती के बारे में मुख्यमंत्री डॉ यादव की जानकारियां असीमित हैं। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती के सुशासन और जल प्रबंधन की गूंज संपूर्ण विश्व में है। रानी दुर्गावती ने 23 हजार गांवों को चिन्हित किया था। इन गांवों में समयानुसार होने वाली खेती की जानकारी थी। वह किसानों के साथ खेती के संबंध में निर्णय भी करती थी। उन्होंने कहा कि जितने भी युद्ध जीती थी उनकी स्मृति में अपने सहयोगियों के नाम पर तालाब बनाकर जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य करती थी। सुशासन और जल प्रबंधन के लिये वह हमेशा प्रेरणा स्त्रोत रहेंगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि आज का दिन वीरांगना रानी दुर्गावती को नमन करने का दिन है। उनकी शहादत पर हमें गर्व है लेकिन यह दिन हमें हमारी संस्कृति और जमीन को रौंदने वाले लोगों की क्रूरता के इतिहास का स्मरण भी कराता है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हमने वह तिथियां भी देखी हैं जब इतिहास अपनी पुनरावृत्ति करता है। हमें दोनों पक्षों को याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है रानी दुर्गावती की 500 वीं जयंती में वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों में हम सभी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का भी सौभाग्य प्राप्त है कि चार दशक पहले जब हम समाधि स्थल पर नमन करने जाते थे। उनकी सरकार ने समाधि स्थल को विशाल और भव्य स्वरूप दिया है। उसके लिए मध्यप्रदेश की सरकार बधाई की पात्र है। श्री पटेल ने कहा कि उन्होंने दमोह जिले में स्थित सिंगौरगढ़ का वह किला भी देखा है। जो वीरांगना रानी दुर्गावती की पहली राजधानी थी। जब अकबर से युद्ध करने का समय आया तो रानी दुर्गावती ने नरसिंहपुर जिले में स्थित चौरागढ़ को अपनी राजधानी बनाया। जब हमारे पास संचार तंत्र नहीं था, तब रानी दुर्गावती का अनुमान उनकी दूरदर्शिता का प्रमाण है। मंत्री श्री पटेल ने सभा में उपस्थित लोगों को रानी दुर्गावती से संबंधित कलिंजर के किले का भी स्मरण कराया। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग श्री ई.रमेश कुमार ने रानी दुर्गावती की पेंटिंग और श्री पारितोष वर्मा द्वारा रानी दुर्गावती के जीवन पर आधारित पुस्तक वीरांगना दुर्गावती भेंट की। इस दौरान राज्य सभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीक, महापौर श्री जगत बहादुर अन्नू, विधायक श्री अजय विश्नोई, श्री सुशील इंदू तिवारी, श्री अशोक रोहाणी, डॉ. अभिलाष पांडे, श्री संतोष बरकड़े, श्री नीरज सिंह के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया सहित अन्य जनप्रतिनधि व कमिश्नर श्री अभय वर्मा, आईजी श्री अनिल कुशवाहा, कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना, पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी व बड़ी तदाद में जन मानस उपस्थित थे।

# सचिव एवं रोजगार सहायक अपनी पदस्थापना वाले ग्राम मुख्यालय में ही रहे - कलेक्टर

**नर्मदापुरम**

### कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस देने के निर्देश दिए

### नक्शा तरमीम के प्रकरण शिविर लगाकर निराकृत किए जाएं - कलेक्टर

संभावित बारिश एवं उसके बाद उत्पन्न होने वाले होने वाली बाढ़ की समस्या के दौरान सभी सचिव एवं रोजगार सहायक अपने ग्राम पंचायत मुख्यालय में ही रहे। जो सचिव एवं रोजगार सहायक मुख्यालय में नहीं रहेंगे उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित कि जाएंगी। कलेक्टर सोनिया मीना ने समय सीमा की बैठक में उक्त निर्देश देते हुए बाढ़ प्रभावित ग्रामों एवं संभावित बाढ़ के दौरान किए जाने वाले आवश्यक उपाय की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली। कलेक्टर ने आपदा प्रबंधन के संबंध में की जा रही तैयारी की समीक्षा की और पुनर्वास केंद्रों में आपदा के समय क्या-क्या व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएगी उसके संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने सभी नगर पालिका अधिकारियों एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने-अपने नगर एवं बाढ़ प्रभावित ग्रामों की सूची अपडेट रखें, इन ग्रामों में पुनर्वास के लिए पंचायत भवन, स्कूल, मंगल भवन, चिन्हित करे। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभी से भोजन सप्लाई करने वाली एजेंसी या स्व सहायता समूह के संपर्क में रहे। उन्होंने स्थानीय तैराक दल, वॉलिंटियर्स, पेयजल, पलंग और गद्दे की उपलब्धता की जानकारी ली और निर्देश दिए की बड़ी संख्या में बड़ी टॉर्च, रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए रस्सी, नाव की व्यवस्था सभी पंचायतों में रहे।कलेक्टर ने निर्देश दिए की सभी संबंधित अधिकारी जल्द ही आवश्यक बैठक लेकर पुन: आपदा प्रबंधन की जा रही तैयारियों की एक बार और समीक्षा कर लें। कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में अनुपस्थित रहने पर जिला रेशम अधिकारी, ईई पीएचई तथा जन अभियान परिषद के जिला संयोजक को कारण बताओं नोटिस देने के निर्देश दिए।कलेक्टर सुश्री मीना ने आने वाले दिनों में वृहद स्तर पर पौधारोपण के कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश देते हुए कहां की पौधारोपण करने के लिए अभी से स्थल चयन कर लिया जाए। सभी विभाग पौधारोपण का लक्ष्य रखें, बताया गया कि महिला एवं बाल विकास विभाग 4 हजार पौधों का रोपण आंगनबाड़ी केदो एवं आसपास करेगा। शिक्षा विभाग 10 हजार, रेशम विभाग 25 हजार, जन अभियान परिषद 20 हजार एवं अन्य संबंधित विभाग दिए गए लक्ष्य के अनुसार पौधारोपण का कार्य करेंगे।

कलेक्टर ने निर्देश दिए की पौधारोपण कार्यक्रम में खाना पूर्ति न हो अपितु पौधों को लगाने के बाद पौधों की देखभाल एवं सुरक्षा भी की जाए। कलेक्टर ने कहा की आम, अमरुद, मुनगा जैसे पौधे ज्यादा से ज्यादा लगाया जाए जो आगे चलकर फायदा देते हैं। कलेक्टर ने सीमांकन, बटवारा एवं नक्शा तरमीम के प्रकरणों, ई केवाईसी की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि नक्शा तरमीम के प्रकरणों के निराकरण के लिए कल से ही शिविर लगाकर सर्वोच्च प्राथमिकता से नक्शा तरमीम के प्रकरण का निराकरण किया जाए।कलेक्टर ने बताया कि गोवंश को लेकर शासन स्तर पर नीति बनाई जा रही है। राज्य शासन ने गोवंश उत्सव मनाने का निर्णय लिया है। कोई भी व्यक्ति अपनी शादी की सालगिरह या जन्मदिन पर गौशाला जाकर पशुओं को चार प्रदाय कर सकेंगे। जिला पंचायत के मुख?य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि एक भी गोवंश सड़क पर नहीं दिखे, सभी गोवंश गौशाला या अपने गौ मालिकों के पास होने चाहिए। उन्होंने कहा कि खुले में अपने पशुओं को छोड़ने वाले पशु मालिकों पर प्रति पशु ?500 का पेनल्टी भी लगाया जाए। उन्होंने आसपास के जिलों से भी समन्वय करने के निर्देश सीईओ श्री रावत को दिए। कलेक्टर ने कहा कि निजी गौशालाओं से एवं स्वयं सेवी संस्थाओं से बात कर पशुओं के रहने की व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने बताया कि मनरेगा के अंतर्गत जिले में 47 गौशाला एवं 8 निजी गौशाला है। 25 गौशाला संचालित है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत एवं स्व सहायता समूह के माध्यम से गौशालाओं का संचालन सुनिश्चित किया जाएगा, उन्होंने निर्देश दिया कि सभी पंचायत में बैठक कर गौ मालिकों को समझाइश दी जाए और उन्हें बताया जाए कि पशुओं का खुले में छोड़ने पर पेनल्टी लगाई जाएगी। बताया गया की जून माह के अंत तक सभी गौशालाओं का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। प्रतिदिन की कार्रवाई की रिपोर्ट के लिए कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। कलेक्टर ने सभी नगरपालिका अधिकारी एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को पशु वाहन (कैटल केचर) क्रय करने के और हांका दल को सक्रिय करने के निर्देश दिए।बैठक में बताया गया कि सिकल सेल एनीमिया के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की 1 हजार से अधिक दिनों की शेष रह गई सात शिकायतों का निराकरण कल शाम तक कर लिया जाए। बताया गया कि कृषि उपज मंडी, प्राचार्य डाइड, जिला पंचायत, स्वास्थ्य विभाग, गृह विभाग सहकारी बैंक एवं जिला योजना विभाग से संबंधित उक्त शिकायत हैं।कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी तहसीलदार को निर्देश दिए की 50 दिन से ऊपर के प्रकरणों का निराकरण भी प्राथमिकता के साथ किया जाए।कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों के निराकरण की अघतन स्थिति की समीक्षा की, उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए उसका निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने श्रम विभाग, जल संसाधन विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, सभी नगर पालिका एवं जनपद पंचायत के सीईओ के सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त की, और निर्देश दिए की जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत के निराकरण में कोई कोताही न बरती जाए।

कलेक्टर ने यूरिया और डीएपी की उपलब्धता, एनपीके की उपलब्धता की समीक्षा की और निर्देश दिए की सभी तहसीलदार डबल लांक एवं समिति स्तर पर एक पटवारी एवं आरआई की ड्यूटी लगाये जो दिन में एक बार यूरिया एवं उर्वरकों की उपलब्धता एवं उठाओ की जानकारी से अवगत रहे। कलेक्टर ने किसानों की सुविधा के लिए शोभापुर में उर्वरकों के विक्रय के लिए केश सेल पांइट चालू करनें के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर ने हाई कोर्ट में लंबित रिट पिटीशन का रिव्यू करने के निर्देश दिए और कोर्ट में सम्मान जनक जवाब प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी गण उपस्थित थे।

## खनिज विभाग की जिला टास्क फोर्स की बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में संपन्न

**उमरिया** उमरिया- जिले मे गौण खनिज के अवैधानिक उत्खनन, परिवहन तथा संग्रहण को रोकने हेतु कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में खनिज विभाग की जिला टास्क फोर्स की बैठक संपन्न हुई । कलेक्टर ने कहा कि जिले में जिन खदानो से अवैध खनिज का परिवहन , उत्खनन एवं संग्रहण हो रहा है उन खदानो को शासकीय खदान घोषित किया जाए । इसके लिए खनिज, वन एवं राजस्व अधिकारी संयुक्त रूप से निरीक्षण कर एनओसी जारी करें । अवैधानिक गतिविधियों में संलग्न व्यक्तियों के विरूध्द जिला बदर, एनएसए के प्रस्ताव भेजे जाए तथा जो वाहन दो या तीन बार अवैध परिवहन में पकडे जाते है , उनके राजसात की कार्यवाही की जाए । इसके साथ ही खनिज की अवैध गतिविधियों में संलग्न लोगो की सूची तैयार कर पुलिस विभाग के माध्यम से सख्त कार्यवाही की जाए । कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री जन मन योजना के हितग्राहियों के समय सीमा में आवास बनाने के लिए चिन्हित व्यक्तियों को जिला प्रशासन की शर्तो के अनुसार बालू परिवहन की अनुमति दी गई है । संज्ञान मे आया है कि कुछ लोगो व्दारा इसका नाजायज लाभ उठाया जा रहा है । ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनके विरूध्द कार्यवाही की जाए तथा वाहनो को राज सात करने की कार्यवाही की जाए । बैठक में खनिज विभाग व्दारा नई रेत की खदानों के संचालन के प्रस्ताव रखे गए जिस पर कलेक्टर ने 30 जून तक राजस्व एवं खनिज विभाग को संयुक्त निरीक्षण कर एनओसी जारी करने की समय सीमा तय की ।

# जनकल्याणकारी कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण किया जाए -कलेक्टर

## नामांतरण, सीमांकन और बंटवारे प्रकरण एक सप्ताह में पूरा करने के लिए सभी तहसीलदारों को दिए निर्देश

**राजगढ़**

सोमवार को समय-सीमा कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर श्री हर्ष दीक्षित ने सभी जन कल्याणकारी कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के लिए संबधित अधिकारियों को निर्देशित किया। वहीं जिले के वृद्धावस्था पेंशनरों की जानकारी लेकर इसमें प्राप्त हो रहीं शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित जनपद पंचायत सीईओ को कहा। नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के लंबित प्रकरणों को सात दिवस के अंदर पूर्ण करने के लिए सभी तहसीलदारों को निर्देशित करते हुए नक्शा तरमीम की कार्यवाही पटवारियों के माध्यम से पूर्ण करने के निर्देश दिए। मोहनपुरा डेम के आस-पास खाली पड़ी जमीन पर बड़े स्तर पर पौधरोपण करने हेतु जलसंसाधन विभाग को जगह का चिन्हांकन करने के लिए कहा।

जिले में विकास कार्य को गति देने के लिए अगले पांच साल का विकास मैप तैयार करने के लिए सभी जिला अधिकारियों को क्षेत्रीय सांसद और विधायकगणों के साथ विधानसभावार कार्ययोजना बनाने के लिए निर्देश दिए। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य में सुधार सहित अन्य निर्माण कार्य, उघोग एवं पर्यटन के क्षेत्र में संभावना तलाशने की बात कही। मेडिकल कॉलेज भवन के धीमे निर्माण पर नाराजगी जाहिर

करते हुए कार्य में तेजी लाने हेतु संबंधित निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया। पेयजल की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री दीक्षित ने जल निगम की लाईनों को क्षतिग्रस्त करने वालों पर एफआईआर करने के निर्देश दिए। वहीं सभी हितग्राहियों को पेयजल मिल सके इसके लिए तीव्रगति से कार्य करने की बात कही। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान खाली सब हैल्थ सेंटरों की जानकारी के साथ-साथ आरबीएसके अभियान अंतर्गत जन्मजात विकृति वाले बच्चों के चिन्हाकन करने और उनकी सर्जरी के लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश सीएमएचओ को दिए। वहीं एक्सीलेंस कॉलेज की शुरूआत एवं उसमें मिलने वाली शिक्षा के सेलेबस की जानकारी ली और जिले में तीन अन्य सीएम राईज स्कूल की स्वीकृति मिलने पर संबंधितों को जमीन का चिन्हांकन करने के लिए कहा। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री महीप किशोर तेजस्वी सहित समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, जनपद सीईओ, तहसीलदार, नपा सीएमओ और अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।।

# वारासिवनी एवं लालबर्रा महाविद्यालय ने मनाया महारानी दुर्गावती पंचशती जयंती समारोह

**बालाघाट**

शासकीय एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी तथा लालबर्रा महाविद्यालय में विद्यालय स्तर पर सोमवार को महारानी दुर्गावती पंचशती जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महारानी दुर्गावती के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित विभिन्न गतिविधियॉ आयोजित की गई। जिसमें व्याख्यान माला के अन्तर्गत महारानी दुर्गावती के व्यक्तित्व को विद्यार्थियों से अवगत कराते हुए उनके वीरतापूर्ण एवं साहसिक उपलब्धियों की जानकारी प्रदान की गयी। महारानी दुर्गावती के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के लिए चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर, रंगोली, निबंध, गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें दोनों ही विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बढ-चढ़कर हिस्सा लिया व स्थान प्राप्त किया।

एसएसपी महाविद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता में कुमुद

हनवत बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा ने प्रथम स्थान, दीपेश उंदीरवाडे और महिमा अटराहे बीएससी तृतीय वर्ष ने द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार भाषण प्रतियोगिता में राजकुमार शेंडे बीए प्रथम वर्ष, निधी पटले तथा वाहिनी पटले ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं लालबर्रा महाविद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता में कु. स्मीता पुसाम बी.एस.सी प्रथम वर्ष का प्रथम स्थान, रंगोली में कु. रिया धामने बी. ए. द्वितीय वर्ष, निबंध में कु. सलोनी सर्राठे, गायन में श्वेता सिलेकर एवं भाषण प्रतियोगिता में गौरव उइके का प्रथम स्थान रहा।

# बैटरी फैक्ट्री में भीषण विस्फोट मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर हुआ 22

**सियोल:** दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल के समीप, लिथियम बैटरी बनाने वाली फैक्ट्री में सोमवार को आग लग जाने से कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में ज्यादातर प्रवासी चीनी श्रमिक थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अग्निशमन अधिकारियों ने एक प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से बताया कि आग सुबह करीब 10:30 बजे सियोल के दक्षिण में स्थित ह्वासोंग शहर में फैक्ट्री की दूसरी मंजिल पर बैटरियों में विस्फोट होने के बाद लगी। जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त श्रमिक बैटरियों की जांच और पैकेजिंग कर रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जाएगी।

स्थानीय अग्निशमन अधिकारी किम जिन-यंग ने बताया कि मृतकों में 18 चीनी, दो दक्षिण कोरियाई और एक व्यक्ति लाओस का नागरिक था। उन्होंने कहा कि मृतकों में से एक की नागरिकता का पता नहीं चल सका है। किम ने बताया कि फैक्टरी में काम करने वाले एक व्यक्ति से संपर्क नहीं हो पाया है और बचावकर्मी घटनास्थल पर तलाश अभियान जारी रखे हुए हैं। उन्होंने बताया कि आठ घायलों में से दो की हालत गंभीर है। आग एरिसेल नामक कंपनी के स्वामित्व वाली एक फैक्टरी की इमारत में लगी।

किम ने बताया कि जो लोग मृत पाए गए वे संभवतः सीढ़ियों के रास्ते बाहर नहीं निकल पाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी इस बात की जांच करेंगे कि क्या फैक्ट्री में आग बुझाने के उपकरण थे और क्या वे चालू हालत में थे। उन्होंने बताया कि आग लगने के समय फैक्ट्री में कुल 102 लोग काम कर रहे थे। प्रधानमंत्री हान डक-सू और गृह एवं सुरक्षा मंत्री ली सांग-मिन ने घटनास्थल का दौरा किया। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, हान ने अधिकारियों को मृतकों के रिश्तेदारों को सरकारी सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया।

# मक्का में ट्यूनीशियाई तीर्थयात्रियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 60 हुआ

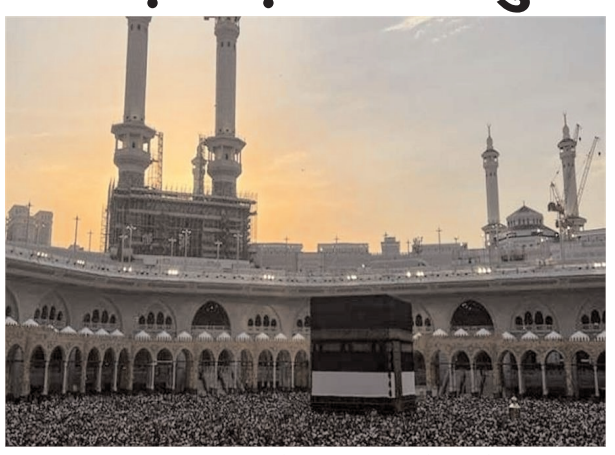



**इंटरनेशनल डेस्क** : ट्यूनीशियाई राष्ट्रीय रेडियो ने सोमवार को कहा कि सऊदी अरब के मक्का में हज करने वाले ट्यूनीशियाई तीर्थयात्रियों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 60 हो गई है। जेद्दा में ट्यूनीशिया के महावाणिज्य दूतावास ने मक्का में मरने वाले ट्यूनीशियाई तीर्थयात्रियों के नामों की एक अद्यतन सूची प्रकाशित की थी।

ट्यूनीशियाई धार्मिक मामलों के पूर्व मंत्री इब्राहिम चैबी ने मानव जीवन की इस हानि के लिए 50 डिग्री सेल्सियस से अधिक के अत्यधिक तापमान, बुजुर्ग तीर्थयात्रियों की एक महत्वपूर्ण उपस्थिति और पहले से मौजूद बीमारियों वाले तीर्थयात्रियों की एक बड़ी संख्या सहित कारकों को जिम्मेदार ठहराया। इस वर्ष मक्का में हज यात्रा के दौरान सऊदी अरब में आधिकारिक ट्यूनीशियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले श्री चैबी को सऊदी अरब से लौटने के कुछ घंटों बाद उनके कर्तव्यों से बर्खास्त कर दिया गया था।

अधिकारियों ने बर्खास्तगी का कोई कारण नहीं बताया। प्रतिनिधिमंडल को हज के दौरान ट्यूनीशियाई तीर्थयात्रियों का समर्थन और सहायता करने का काम सौंपा गया था। हज, इस्लाम का एक प्रमुख स्तंभ, दुनिया भर के तीर्थयात्रियों द्वारा मक्का में प्रतिवर्ष किया जाता है। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष तीर्थयात्रियों की संख्या 18 लाख से ज्यादा हो चुकी है।

# भारी बारिश के बाद टपक रही अयोध्या राम मंदिर की छत, पानी की निकासी नहीं: पुजारी का दावा

**नेशनल डेस्क:** उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर को जनता के लिए खोले जाने के बाद पहली भारी बारिश के बाद गर्भगृह की छत से पानी रिस रहा है। मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने सोमवार को यह दावा किया। मंदिर के निर्माण में लापरवाही का आरोप लगाते हुए दास ने दावा किया कि शनिवार आधी रात को हुई बारिश के बाद मंदिर परिसर से बारिश के पानी की निकासी की भी कोई व्यवस्था नहीं की गई थी और उन्होंने मंदिर अधिकारियों से आवश्यक सुधारात्मक उपाय करने का आग्रह किया। मंदिर ट्रस्ट के सूत्रों ने बताया कि छत से पानी रिसने की घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई तो मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा मंदिर पहुंचे और छत की मरम्मत कर उसे वाटरप्रूफ बनाने के निर्देश दिये। मंदिर निर्माण की प्रगति के बारे में पत्रकारों से अलग से बात करते हुए, मिश्रा ने कहा कि पहली मंजिल पर काम चल रहा है और इस साल जुलाई तक पूरा हो जाएगा, और उम्मीद जताई कि मंदिर का निर्माण दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। आचार्य सत्येन्द्र दास ने संवाददाताओं को बताया कि शनिवार आधी रात को हुई पहली भारी बारिश में मंदिर के गर्भगृह की छत से भारी रिसाव हुआ। उन्होंने कहा, जिस स्थान पर पुजारी रामलला की मूर्ति के सामने बैठते हैं और जहां लोग वीआईपी दर्शन के लिए आते हैं, उसके ठीक ऊपर की छत से बारिश का पानी रिस रहा था। यह बहुत आश्चर्य की बात है कि पूरे देश के इंजीनियर राम मंदिर का निर्माण कर रहे हैं। मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को किया गया था। लेकिन, किसी को नहीं पता था कि अगर बारिश होगी, तो छत टपक जाएगी। यह आश्चर्य की बात है कि एक दुनिया की छत -प्रसिद्ध मंदिर लीक हो रहा है. ऐसा क्यों हुआ? उन्होंने कहा, इतने बड़े इंजीनियरों की मौजूदगी में ऐसी घटना हो रही है, जो बहुत गलत है. इस बीच, शनिवार रात को हुई बारिश से रामपथ रोड और उससे सटे लेनशेर पर गंभीर जलजमाव हो गया। जहां इलाके में सीवर का पानी घरों में घुस गया, वहीं रामपथ रोड और अयोध्या की अन्य नवनिर्मित सड़कें कुछ स्थानों पर धंस गईं। स्थानीय लोगों ने बताया कि जलवानपुरा से हनुमानगढ़ी भक्तिपथ और टेढ़ी बाजार से अंदरूनी इलाकों तक जलभराव हो गया है। बारिश के दौरान रामपथ की गलियों में घरों में सीवर का पानी घुसने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, अयोध्या के मेयर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा, मैंने सुबह से क्षति नियंत्रण शुरू कर दिया है। मैंने घरों से पानी निकालने के लिए नगर पालिका की कई टीमों को तैनात किया है।हालाँकि, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के शीर्ष अधिकारियों की प्रतिक्रिया लेने का प्रयास सफल नहीं हुआ। इस बीच, कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा पर मंदिर निर्माण और मंदिर शहर में नागरिक सुविधाओं के निर्माण में भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा, शहीदों की कब्र हो या भगवान का मंदिर, ये सभी भाजपा के लिए भ्रष्टाचार के अवसर बन गए हैं। यहां तक कि देश में आस्था और पवित्रता के प्रतीक भी उनके लिए सिर्फ लूट के अवसर हैं। उन्होंने कहा, मुख्य पुजारी सत्येन्द्र दास के बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि करोड़ों की लागत से बने राम मंदिर के गर्भगृह में पहली बारिश के कारण पानी रिस रहा है और जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं है।

# ब्रिटेन की राजकुमारी एनी को चोट लगी, अस्पताल में भर्ती

**इंटरनेशनल डेस्क** : ब्रिटेन के ब्रिस्टल में राजकुमारी एवं महराज चार्ल्स तृतीय की बहन एनी को एक घटना में सिर में मामूली चोट आयी जिसके बाद उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बकिंघम पैलेस ने सोमवार को यह जानकारी दी। राजकुमारी एनी (73) को रविवार शाम को गैटकॉम्ब पार्क एस्टेट में चोट लगी और उन्हें एहतियात के तौर पर ब्रिस्टल के साउथमीड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसा माना जाता है कि एस्टेट में घोड़े भी थे और एनी को एक घोड़े से जुड़ी एक घटना में सिर में मामूली चोट आई होगी।

बकिंघम पैलेस की ओर से जारी बयान में कहा गया है, गेटकॉम्ब पार्क एस्टेट में कल शाम हुई एक घटना के बाद राजकुमारी को मामूली चोट लगी, और उनके सिर में भी चोट आयी है। बयान में कहा गया, राजकुमारी एनी को एहतियात के तौर पर ब्रिस्टल के साउथमीड अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनके पूर्ण रूप से और तेजी से ठीक होने की उम्मीद है। महाराज चार्ल्स को इस बारे में जानकारी दे दी गई है और वह पूरे शाही परिवार के साथ राजकुमारी के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की है।

बकिंघम पैलेस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि राजकुमारी एनी की स्थिति में सुधार हो रहा है। बयान में कह गया है, ''चिकित्सकों की सलाह पर, आने वाले सप्ताह के लिए राजकुमारी एनी के कार्यक्रम स्थगित कर दिये जाएंगे। इसका असर इस सप्ताह के अंत में उनकी निर्धारित कनाडा यात्रा पर भी पड़ेगा। राजकुमारी एनी कल अपने भाई द्वारा जापान के सम्राट नारुहितो के सम्मान में आयोजित राजकीय भोज में भी शामिल नहीं हो पाएंगी, जो इस सप्ताह अपनी पत्नी महारानी मसाको के साथ ब्रिटेन की यात्रा करेंगे। एस्टेट में हुई घटना के समय राजकुमारी एनी के साथ उनके पति सर टिम लॉरेंस, बेटी जारा टिंडल और उनके भाई पीटर फिलिप्स भी थे। बताया जाता है कि लॉरेंस अपनी पत्नी के साथ अस्पताल गए।

# हैवानियत... नाबालिग बच्चों के प्राइवेट पार्ट पर लगाया झंडु बाम, कपड़े उतारकर पीटा,अब आरोपी को कोर्ट ने दी जमानत



**नेशनल डेस्क:** महाराष्ट्र के पुणे में तीन नाबालिग बच्चों के यौन उत्पीड़न और उनके प्राइवेट पार्ट में झंडु बाम लगाने के मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने 33 वर्षीय आरोपी कपिल टाक को जमानत दे दी है। आरोपी पर अन्य आरोपियों के साथ मिलकर नाबालिग लड़कों का उत्पीड़न करने और उसका वीडियो बनाने का आरोप था।

**जमानत का फैसला**

जस्टिस अनिल किलोर की पीठ ने आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद उसे जमानत देने का आदेश दिया। अदालत ने यह पाया कि आरोपी की कोई यौन इच्छा नहीं थी और पीड़ितों को शारीरिक और मानसिक यातना इसलिए दी गई क्योंकि आरोपियों को लगा कि वे लड़के चोर थे।

**मामले की पृष्ठभूमि**

कपिल टाक को 2021 में अप्राकृतिक अपराध, हमले और आपराधिक धमकी के आरोप में क्ष्ट्स्ह एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था। उस पर अन्य आरोपियों के साथ मिलकर तीन नाबालिग लड़कों को निर्वस्त्र करने, चमड़े की बेल्ट से पीटने और उनके प्राइवेट पार्ट में झंडु बाम लगाने का आरोप था। इसके अलावा, घटना को मोबाइल फोन पर शूट करने का भी आरोप था।

**पीड़ितों की मां ने दर्ज कराई थी शिकायत**

शिकायत पीड़ित बच्चों में से एक की मां ने अप्रैल 2021 में दर्ज कराई थी। महिला ने कुछ लोगों को एक वीडियो देखते हुए देखा था जिसमें कुछ नाबालिग लड़कों के साथ मारपीट की जा रही थी और उनके निजी अंगों के साथ छेड़छाड़ हो रही थी। उन्होंने वीडियो में अपने बेटे को पहचाना और तुरंत शिकायत दर्ज कराई।

**जमानत के तर्क**

टाक की वकील सना रईस खान ने तर्क दिया कि क्ष्ट्स्ह एक्ट के प्रावधान इस मामले में लागू नहीं होंगे क्योंकि आरोपी का कोई यौन इरादा नहीं था। उन्होंने यह भी बताया कि टाक 2021 से जेल में बंद है और मामले में आरोपपत्र पहले ही दायर किया जा चुका है। इस पर, हाई कोर्ट ने एफआईआर और अन्य साक्ष्यों की समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया कि आरोपियों का उद्देश्य शारीरिक और मानसिक यातना देना था, न कि यौन उत्पीड़न करना। इस आधार पर, अदालत ने कपिल टाक को जमानत देने का आदेश दिया।

### रूस में 2 चर्च और सिनेगॉग पर आतंकी हमले

# पादरी सहित 15 लोगों की मौत व 20 से अधिक घायल

**इंटरनेशनल डेस्क:** रूस के दागिस्तान में रविवार को हुए आतंकी हमलों में पादरी और पुलिसकर्मियों समेत कुल 15 लोगों की मौत हो गई। हालांकि शुरुआती आंकड़ों में 7 लोगों की मौत की खबर आई थी। आतंकियों ने रूस के 2 चर्च, एक सिनेगॉग (यहूदी पूजा स्थल) और एक पुलिस पोस्ट पर हमला किया जिनमें एक पादरी की मौत होने की पुष्टि हुई है। इसके अलावा कई पुलिसकर्मियों और नागरिकों के मारे जाने की खबर है। आतंकी हमलों के दौरान चर्च में आग लगने की भी पुष्टि हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रूस के दक्षिणी प्रांत दागिस्तान में रविवार को आतंकियों ने अत्याधुनिक हथियारों से डर्बेंट शहर में कई जगहों पर हमला किया। दागिस्तान के गवर्नर ने बताया कि आतंकियों की तरफ से की गई गोलीबारी में चर्च के पादरी और पुलिसकर्मियों समेत कुल 15 लोगों की मौत हुई है। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में 6 आतंकी ढेर हुए हैं। इस हमले में 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रूस के दक्षिणी प्रांत में दो चर्च, एक सिनेगॉग (यहूदी पूजा स्थल) और एक पुलिस पोस्ट पर हमला किया गया। इन क्षेत्रों में सोमवार, मंगलवार और बुधवार को तीन दिन तक शोक दिवस का ऐलान किया गया है। दागिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि हथियारों से लैस एक समूह ने कैस्पियन सागर पर स्थित डर्बेंट शहर में एक सिनेगॉग और एक चर्च पर गोलीबारी की। इस गोलीबारी में दोनों जगहों पर आग लग गई।लगभग इसी समय माखचकाला में एक चर्च और एक यातायात पुलिस पोस्ट पर भी हमला किया गया गवर्नर ने बताया कि इन हमलों के बाद आतंकवाद निरोधी दस्ते ने अभियान चलाया और 6 आतंकियों को मार गिराया। इन हमलों की अभी तक किसी संगठन या समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टास ने सूत्रों के हवाले से बताया कि दागिस्तान प्रांत के एक अधिकारी को हिरासत में लिया गया है। इन हमलों में हिरासत में लिए गए अधिकारी के बेटे की संलिप्तता बताई जा रही है। अपुष्ट रिपोर्टों का दावा है कि 28 वर्षीय गादजिमुराद कागिरोव उन आतंकवादियों में से एक था, जिन्होंने कल माखचकाला में हुए आतंकी हमले में भाग लिया था। माना जाता है कि उसे रूसी सुरक्षा बलों ने मार गिराया । वह ईगल्स एमएमए क्लब का सदस्य था, जिसके अध्यक्ष दिग्गज एमएमए फाइटर खबीब नूरमगोमेदोव हैं। डेरबेंट के चर्च में मारे गए पादरी की पहचान 66 वर्षीय फादर निकोले के रूप में हुई है। आतंकियों ने गला रेतकर पादरी की हत्या की है। चर्च की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों की हत्या गोलीमार की गई।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इन हमलों में 12 कानून प्रवर्तन अधिकारी भी घायल हुए हैं।

# पाकिस्तान के वकील का दावा: देश में खतरनाक स्तर तक बढ़े भीड़ के राक्षस

## हर अहिंसक व्यक्ति के 400 लोग खून के प्यासे

**इस्लामाबाद:** पाकिस्तान में भीड़ द्वारा की जाने वाली हत्या के मामलों में वृद्धि की निंदा करते हुए शिक्षाविद और वकील मुनीब कादिर ने इसे एक 'खतरनाक मानसिकता' बताया, जो किसी व्यक्ति की हत्या को न्याय सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका मानती है। कादिर शुक्रवार को अपनी पुस्तक के विमोचन समारोह में बोल रहे थे। अपनी पुस्तक 'पेइंग द प्राइस: एक्सप्लोरिंग रिलीजियस एक्सट्रीमिज्म, मिसोगिनी, ट्रांसफोबिया एंड क्लास अपाथाइड इन प्रेजेंट-डे पाकिस्तान' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा: हमने स्वात में जो देखा, वह वही भीड़ की मानसिकता थी, जिसके कारण भीड़ इकट्ठा होती है, एक व्यक्ति को प्रताड़ित करती है क्योंकि उन्हें लगता है कि उस व्यक्ति के अपराध अकथनीय हैं और उसकी मौत न केवल सही है बल्कि न्याय सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका है। अपने बयान में कादिर ने दिसंबर 2021 में पंजाब प्रांत के सियालकोट में प्रियंता कुमारा दियावदाना की भीड़ द्वारा हत्या की इसी तरह की घटना का जिक्र किया। घटना के बारे में बताते हुए कादिर ने कहा, सियालकोट की घटना में शामिल लोगों को अपने किए पर गर्व था, उन्हें लगा कि उन्होंने जो किया वह हमसे बड़ा है। इसमें सैकड़ों लोग शामिल थे, उन्होंने पहले उसके कपड़े फाड़े और फिर उसे जिंदा जला दिया, और जलते हुए पीड़ित के साथ सेल्फी ली। ऐसा इसलिए था क्योंकि उन्हें लगा कि यह एक मील का पत्थर है और वे इसे आने वाली पीढ़ियों को भेजेंगे, यह कहते हुए कि देखो मैं वहां था। वे बिल्कुल भी शर्मिंदा नहीं थे, बल्कि गर्वित थे। कादिर ने धार्मिक स्वतंत्रता की अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग का जिक्र करते हुए सवाल किया कि पाकिस्तान को हर साल धार्मिक स्वतंत्रता सूचकांक में अपनी रैंकिंग गिरने पर क्या फर्क पड़ता है, क्योंकि लोगों को इसी पर गर्व है। कादिर ने कहा कि मैंने




खुद देखा कि ईद के दौरान पुलिस बेबुनियाद तरीके से अहमदिया मुसलमानों पर छापेमारी कर रही थी। ये गैर-सरकारी तत्व नहीं थे, और हम अच्छी तरह जानते हैं कि किसके इशारे पर ऐसा किया जा रहा था। इसी तरह सरगोधा में ईसाई समुदाय के साथ जो हुआ, वह भी जगजाहिर है। उन्होंने कहा कि उस दिन सिर्फ़ एक प्रियंता कुमारा जल रही थी, लेकिन उस आगजनी में कम से कम 400 लोग शामिल थे। यह हमारे देश में मौजूदा अनुपात है, हर अहिंसक व्यक्ति के लिए 400 लोग खून के प्यासे लोग हैं, जो आपको मारने के लिए तैयार हैं, और इस कमरे में बैठा हर व्यक्ति संभावित शिकार और संभावित खतरा है । उन्होंने कहा कि कभी-कभी मैं सोचता हूँ कि क्या यह सरकार है जो बहुसंख्यक भीड़ के ऐसे राक्षस को पालती है, जिसे छोड़ दिया गया है या यह भीड़ है जो सरकार को पालती है, जो अब हमारे घरों तक पहुँच गई है, और अब अगर प्रशासन सही काम करने की कोशिश भी करता है, तो इस बात की संभावना है कि राक्षस मालिक पर ही हमला कर सकता है ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569